प्रयागराज, रविवार 30 मार्च 2025 से शनिवार 05 अप्रैल 2025 तक
वर्ष-13, अंक-12
पृष्ठ-08, मूल्य- 3 रुपये

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

नगर संस्करण
13

24.03.2025

25.03.2025

26.03.2025

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इण्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

ALL TYPE PRINTING SOLUTION Enjoy Publicity

27.03.2025

28.03.2025

29.03.2025

30.03.2025 to 05.04.2025.pmd 1 3/30/2025, 8:35 AM

शरीर पर अंडरगारमेंट नहीं थे और मां ने लगाए आरोप; युवती की मौत पर लोगों ने की पत्थरबाजी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रतापगढ। प्रतापगढ़ के रानीगंज के दुर्गागंज बाजार में अस्पताल में महिलाकर्मी की मौत पर जमकर बवाल हुआ। पथराव में सीओ समेत 13 घायल हो गए। अस्पताल संचालक समेत छह के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म और हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। प्रतापगढ़ के रानीगंज थाना इलाके के दुर्गागंज बाजार स्थित एक निजी अस्पताल में काम करने वाली अनुसूचित जाति की महिलाकर्मी की मौत पर शुक्रवार को बवाल हो गया। सुबह परिजन व ग्रामीण अस्पताल के सामने शव रखकर गैंगरेप व हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग कर रहे थे। पुलिस ने हस्तक्षेप किया तो पत्थरबाजी शुरू हो गई, जिसमें सीओ का सिर फट गया। पुलिसकर्मियों समेत कुल 13 लोग घायल हुए हैं। दुर्गागंज बाजार स्थित मां मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में चार साल से क्षेत्र की युवती (22) सफाई व नर्सिंग का काम करती थी। उसकी मां के मुताबिक, बृहस्पतिवार की शाम करीब छह बजे बेटी अस्पताल ड्यूटी पर गई थी। रात करीब आठ बजे अस्पतालकर्मी ने उसे फोन कर बुलाया। वह पहुंची तो उसे गेट पर रोक लिया गया। कुछ देर बाद बेटी के मौत की जानकारी दी। इसके बाद एंबुलेंस में शव लेकर तीन कर्मचारी उसके घर पहुंचे। अस्पताल कर्मी शव रखकर भागने की फिराक में थे। शोर-शराबे पर ग्रामीणों ने तीनों को पकड़ कर बंधक बना लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस तीनों को अपने साथ ले गई। मां ने बताया कि उसकी बेटी के शरीर पर अंडरगारमेंट नहीं थे और चोट के निशान थे। ऐसे लग रहा था, जैसे गैंगरेप कर उसकी हत्या की गई हो। तहरीर देने के बाद भी पुलिस पोस्टमार्टम के बाद कार्रवाई की बात करती रही। शुक्रवार की सुबह पुलिस के कार्रवाई न करने पर गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक सिपाही ने प्रदर्शन कर रहे एक युवक पर डंडा चला दिया, जिससे बात बिगड़ के अनुसार बाहरी लोगों ने ही सीओ पर ईंट फेंका और पथराव किया। उनके चलते ही प्रदर्शन के दौरान बात

भड़के ग्रामीण चारपाई पर शव लेकर तीन किमी दूर अस्पताल चल पड़े। रास्ते में पुलिस लोगों को रोकने का प्रयास करने लगी, जिसे लेकर झड़प हुई। सैकड़ों की तादात में ग्रामीण अस्पताल पहुंच गए। भीतर प्रवेश करने लगे तो पुलिस ने रोक दिया। इस पर शव सड़क पर रखकर प्रदर्शन करने लगे। युवती की मौत के बाद अस्पताल में काम करने वाले कर्मचारी व चिकित्सक भर्ती मरीजों को छोड़कर भाग निकले। अस्पताल में ताला लगा होने के कारण मरीज 12 घंटे से भीतर ही घुटते रहे। बवाल थमने के बाद पुलिस ने छत के रास्ते भीतर पहुंचकर भर्ती प्रसूता सोनम यादव व मंजू गौतम और मधुमेह की बीमारी से पीड़ित रामकिशन को बाहर निकालकर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गई। उग्र ग्रामीणों ने पथराव शुरू कर दिया। पुलिस ने उपद्रव कर रहे लोगों को दौड़ाकर पीटा। देखते ही देखते बाजार में सन्नाटा पसर गया। कुछ ही देर में एसपी डॉ. अनिल कुमार, एएसपी पूर्वी दुर्गेश सिंह फोर्स के साथ पहुंचे। दुर्गागंज बाजार की सड़क पर अस्पतालकर्मी का शव रखकर जाम लगाते हुए प्रदर्शन करते हुए बवाल हो गया। पथराव व लाठीचार्ज के बाद अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। देखते ही देखते दुकानों के शटर बंद होने लगे। कुछ ही देर में बाजार में सन्नाटा पसर गया। शाम तक आधे बाजार में सन्नाटा रहा तो आधे बाजार की कुछ दुकानों में खरीदारी करने लोग पहुंचे।युवती की मौत को लेकर प्रदर्शन करने पहुंचे ग्रामीणों के साथ बाहरी लोग भी शामिल थे। पुलिस बिगड़ी। घटना के समय पुलिस परिजनों से बातचीत कर रही थी। ऐसे बवालियों को सीसीटीवी फुटेज के जरिए चिह्नित किया जा रहा है।रानीगंज विधायक डॉ. आरके वर्मा भी पहुंच गए। परिजनों से बातचीत कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतका की मां की तहरीर पर पुलिस ने अस्पताल संचालक डॉ. अमित पांडेय, सुनील कुमार, विद्या सागर, शहबाज व मनोरमा देवी के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म, हत्या, दलित उत्पीड़न सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया। वीडियोग्राफी के बीच महिला डॉक्टर सहित दो चिकित्सकों ने शव का पोस्टमार्टम किया। मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी। विसरा और स्लाइड जांच के लिए सुरक्षित की गई है।

महाकुंभ की एवीटी से काशी विश्वनाथ में बुझेगी आग, छोटी घटनाओं पर काबू पाना होगा आसान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। काशी विश्वनाथ धाम में महाकुंभ की एटीवी का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे आग लगने की छोटी घटनाओं पर काबू पाने में आसानी होगी। प्रयागराज के महाकुंभ के आयोजन के दौरान रेत में आग बुझाने के लिए खरीदे गए ऑल टेरेन व्हीकल (एटीवी) का इस्तेमाल श्री काशी विश्वनाथ धाम में किया जाएगा। एटीवी कमिश्नरेट के अग्निशमन विभाग को मिल गया है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी आनंद सिंह राजपूत ने बताया कि विश्वनाथ धाम में आग बुझाने की अत्याधुनिक व्यवस्था है उन्होंने बताया कि एटीवी की जैसी संरचना है, उसका इस्तेमाल विश्वनाथ धाम छोटी अग्नि दुर्घटना पर काबू पाने के लिए किया जाएगा। एटीवी सिलिंडर में पानी और फोम भरा रहता है। इसके अलावा यह दो फायर

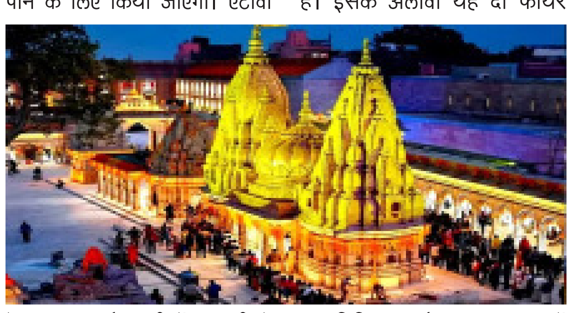

रेत, दलदल और पानी में आसानी से चल सकता है। संकरी गली में जा सकता है। एटीवी में नौ-नौ लीटर क्षमता वाले तीन सिलिंडर हैं। तीनों एक्सटिंग्विशर और अन्य उपकरणों से लैस है। इसीलिए एटीवी को स्थायी रूप से विश्वनाथ धाम में लगाया जाएगा। एक अप्रैल से जिले के ग्रामीण इलाकों में दो स्थान पर दमकल की दो गाड़ियां तैनात की जाएंगी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि राजातालाब तहसील क्षेत्र में फायर स्टेशन नहीं है। इसलिए दमकल की एक गाड़ी रोहनिया थाने में तैनात की जाएगी। इसके अलावा चोलापुर या चौबेपुर थाने में दमकल की एक गाड़ी खड़ी कराई जाएगी। जिले में बृहस्पतिवार को छह जगह गेहूं के खेत में आग लगी। इसे लेकर मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने किसानों के लिए सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर खेतों की गेहूं की फसल तैयार हो गई है। आग से सुरक्षा को देखते हुए किसान सबसे पहले बिजली के तारों के नीचे और खंभों व ट्रांसफॉर्मर के आसपास की फसल की कटाई करें।

वायु सेवा के सेंट्रल एयर कमांड कैंपस में मर्डर, अधिकारी की गोली मारकर हत्या

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। प्रयागराज में वायु सेवा कैंपस के अंदर मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस के अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जिस समय वारदात को अंजाम दिया गया, वो सो रहे थे। खिड़की से ही गोली मारी गई है। प्रयागराज के पुरामुफ्ती स्थित खोलकर बाहर झांका और इसी दौरान उन्हें खिड़की से ही गोली मार दी गई। गंभीर हालत में उन्हें मिलिट्री अस्पताल ले जाया गया, इलाज के दौरान कुछ घंटे बाद उन्होंने दम तोड़ दिया। हत्या किसने और क्यों की, इस बाबत अब तक कुछ पता नहीं चल सका है। सत्येंद्र नाथ मिश्रा

वायु सेवा के सेंट्रल एयर कमांड कैंपस में मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस के अधिकारी की हत्या का मामला सामने आया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है और जांच शुरू कर दी है जानकारी के अनुसार, शनिवार भोर में वायु सेवा के सेंट्रल एयर कमांड कैंपस में मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस के अधिकारी सत्येंद्र नाथ मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जॉइंट सेक्रेटरी स्तर के कमांडर वर्क इंजीनियर कैंपस के भीतर ही अपने आवास में सो रहे थे। पुलिस के मुताबिक, भोर में 3:00 के करीब किसी ने दरवाजा खटखटाया। उन्होंने खिड़की मूल रूप से रोहतास बिहार के रहने वाले थे, और परिवार उनके साथ ही वायु सेना कैंपस स्थित आवास में रहता था। पुलिस जांच में जुटी है। वारदात को अंजाम देने से पहले हमलावर ने सीसीटीवी कैमरे का तार काट दिया था। हमलावर ने चेहरा ढके हुआ था। अब तक की जांच में वारदात में एक ही व्यक्ति के शामिल होने की बात सामने आई है। डीसीपी नगर अभिषेक भारती ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि एक युवक दीवार फांदकर कमरे तक आया है। उसने अपने चेहरा कपड़े से ढक रखा है। उसकी पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

75 साल में जीती नेशनल चैंपियनशिप, रोज करते हैं 4 घंटे वर्कआउट; अब थाइलैंड जाकर खेलेंगे बैडमिंटन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। काशी के योगेंद्र कुमार जायसवाल ने 75 साल में नेशनल चैंपियनशिप जीती है। वह सितंबर में थाईलैंड जाकर इंटरनेशनल मास्टर्स

बैंडमिंटन प्रतियोगिता खेलेंगे। बैडमिंटन में 75 प्लस आयुवर्ग की चैंपियनशिप जीतने वाले योगेंद्र कुमार जायसवाल ने क्रिकेट का मोह 57 साल पहले यानी 1968 में छोड़ दिया था। तब लगा था कि कॅरिअर खत्म हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। 1969 में यूपी बैडमिंटन चैंपियनशिप का एकल मुकाबला जीतकर स्वर्ण पदक हासिल किया। अब नेशनल चैंपियनशिप जीती है। सितंबर में थाईलैंड जाकर इंटरनेशनल मास्टर्स बैंडमिंटन प्रतियोगिता खेलेंगे। गोवा में नेशनल चैंपियनशिप जीतकर लौटे योगेंद्र कुमार जायसवाल से विशेष बात की गई। उन्होंने बताया कि रोजाना चार घंटे वर्कआउट करते हैं। इस कारण फिट रहते हैं। अब भी बैडमिंटन की शटल कॉक पर अच्छा नियंत्रण रखते हैं। उन्होंने बताया कि क्विंस कॉलेज में दाखिला लिया तो क्रिकेट खेलने लगा था। यूपी की तरफ से कई मुकाबले खेले और अच्छा प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में एक महीने तक प्रशिक्षण भी लिया। 1968 में बीएचयू में दाखिला लिया। बीएचयू में ही बैडमिंटन के राष्ट्रीय खिलाड़ी सुरेश गोयल से मुलाकात हुई। सुरेश गोयल की सलाह पर बैडमिंटन खेलने लगा। वर्ष 1969 में यूपी चैंपियनशिप के एकल मुकाबले में स्वर्ण जीता। इसके बाद लगातार चार साल तक यूपी स्टेट को रिप्रजेंट किया। वर्ष 1974 में खेल कोटे से इस्टर्न रेलवे कोलकाता में नौकरी लग गई, फिर पश्चिम बंगाल की ओर से खेलने लगा। भारतीय रेलवे को कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता पदक भी दिलाए। पेशेवर जिम्मेदारियों की वजह से 2004 से 2009 के बीच बैडमिंटन नहीं खेल पाए, लेकिन 2010 से फिर खेलना शुरू कर दिया। 2021 से 70 प्लस आयुवर्ग में खेलने लगा। मास्टर्स वर्ग में स्पेन खेलने जाना था, लेकिन कोविड की वजह से नहीं जा सके। 2023 में मास्टर्स वर्ग की प्रतियोगिता कोरिया में खेली गई। इसमें प्री क्वार्टर्र तक का सफर तय किया था।योगेंद्र जायसवाल ने बताया कि बैडमिंटन की पहली प्रतियोगिता यूपी जूनियर चैंपियनशिप प्रयागराज में खेली थी। इसमें स्वर्ण पदक जीता था।

एयरपोर्ट टर्मिनल ताक रहा विमानों की राह, एक माह से किसी भी उड़ान का नहीं हुआ संचालन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। प्रयागराज से ज्यादा से ज्यादा शहरों के लिए सीधी उड़ान शुरू हो, इसके लिए महाकुंभ के पहले एयरपोर्ट का विस्तार किया गया। 231 करोड़ की लागत से नया टर्मिनल भी बना, लेकिन मेला संपन्न होने के बाद टर्मिनल विमानों की राह ही ताक रहा है। प्रयागराज से ज्यादा से ज्यादा शहरों के लिए सीधी उड़ान शुरू हो, इसके लिए महाकुंभ के पहले एयरपोर्ट का विस्तार किया गया। 231 करोड़ की लागत से नया टर्मिनल भी बना, लेकिन मेला संपन्न होने के बाद टर्मिनल विमानों की राह ही ताक रहा है। एक माह से नया टर्मिनल बंद है। 28 फरवरी के बाद यहां एक भी विमान की आवाजाही नहीं हो सकी है। महाकुंभ के दौरान हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या 5,85,587 पहुंच गई है, लेकिन महाकुंभ संपन्न होते ही यात्रियों और विमानों की संख्या में भारी गिरावट हो गई। दरअसल महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं

की सेवा के लिए 11 जनवरी से 28 फरवरी तक विभिन्न विमानन कंपनियों ने सेवाएं दी थीं। एयरपोर्ट से करीब 25 शहरों की सीधी कनेक्टिविटी भी हुई। पहले दिन 11 जनवरी को 2,991 यात्रियों ने हवाई सफर किया। इसके बाद यात्रियों की संख्या बढ़ती गई और यह आंकड़ा 27 हजार पार कर गया। अंतिम दिन 28 फरवरी को 10,395 मुसाफिरों ने यात्रा की। इस दौरान पुराने एवं नए टर्मिनल दोनों से ही 24 घंटे विमानों की आवाजाही होती रही, लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है। प्रयागराज से संचालित तमाम विमान एक-एक करके बंद हुए जा रहे हैं। हाल ही में प्रयागराज-लखनऊ उड़ान स्थायी रूप से बंद हुई है। चर्चा है कि आने वाले दिनों में हैदराबाद उड़ान भी बंद हो सकती है। मुंबई और बंगलूरू उड़ान के भी विमानन कंपनी इंडिगो ने फेरे घटा दिए हैं। वर्तमान में एयरपोर्ट पर प्रतिदिन 12 से 14 विमानों की ही आवाजाही हो पा रही ह फूलपुर से भाजपा सांसद एवं प्रयागराज एयरपोर्ट सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रवीण पटेल ने शुक्रवार को लोकसभा में स्पीकर ओम बिड़ला के समक्ष एयरपोर्ट से विमानों की कम होती संख्या का मुद्दा उठाया। सांसद ने कहा, महाकुंभ के पूर्व ही एयरपोर्ट का विस्तारीकरण हुआ। यहां तमाम यात्री सुविधाएं बढ़ीं। इस वजह से यहां महाकुंभ के दौरान एक-एक दिन में 20 से 25 हजार तक यात्रियों की आवाजाही हुई। महाकुंभ संपन्न होने के बाद तमाम विमानन कंपनियों ने उड़ानें बंद कर दीं।

108 पान की पट्टी से ग्यारह दिनों तक प्रभु को चढ़ा चढ़ावा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। रावटसगंज ब्लॉक के महुआ गांव स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर में अंतरराष्ट्रीय श्री सीताराम नाम बैंक के शाखा प्रबंधक रमाकांत शुक्ला की ओर से विगत 11 दिनों से पान के पत्ते पर श्री राम राम लिखकर जप करते हुए पूजा अर्चना किया जा रहा है राम राम लिखकर भगवान प्रभु श्री राम को याद कर हनुमान जी को 108 पान की पट्टी का प्रतिदिन ग्यारह दिनों तक माल्यार्पण किया जाएगा है शाखा प्रबंधक रमाकांत शुक्ला ने कहा कि राम नाम स्मरण के लिए श्री सीताराम नाम पुस्तक का भी वितरण किया जा रहा है जिससे लोग घर बैठे प्रभु श्री राम का नाम लिखकर स्मरण कर रहे हैं जिससे उनका मोक्ष की प्राप्ति मिलेगी उनकी मनोकामना कामना पूर्ण होने की प्रभु श्री राम से कामना की जा रही है। इस मौके पर जितेंद्र शुक्ला, वीरेंद्र ,धर्मेंद्र ,सत्यम, विकास, अंकित समेत अन्यलोक शामिल है।

नवरात्र में नौका संचालन पर लगी रोक तो नाविक करेंगे आंदोलन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। मां गंगा निषादराज सेवा समिति के नाविकों व मल्लाहों ने नवरात्र में गंगा नदी में आर-पार नौका संचालन पर रोक न लगाए जाने की मांग करते हुए शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। जिलाधिकारी कार्यालय में ज्ञापन भी सौंपा। चेतावनी दी कि अगर नौका संचालन बंद किया गया तो प्रदेश भर के नाविक व मल्लाह आंदोलन करेंगे। समिति के राष्ट्रीय सचिव हरिश्चंद्र ने बताया कि मां विंध्यवासिनी धाम में दूरदराज से आने वाले लोगों को नावों से यात्रा कराते हैं। पीढ़ी दर पीढ़ी नाव चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। नवरात्र मेले में मां विंध्यवासिनी के दर्शन करने जौनपुर, प्रयागराज, आजमगढ़, प्रतापगढ़, भदोही सहित अन्य जनपदों से लोग पैदल आते हैं। दर्शनार्थी मनौती पूरी होने पर मां गंगा की विधि-विधान से पूजा पाठ करते हैं। पिछले तीन-चार साल से नवरात्र के समय नावों के आर-पार जाने पर प्रतिबंध लगा दिया जाता रहा है। इसका कोई शासनादेश व कानून नहीं है। प्रयागराज महाकुंभ में करोड़ों लोग गंगा में स्नान करने आए। लेकिन वहां पर रोक नहीं लगी। वाराणसी में भी रोक नहीं लगती है पर मां विंध्यवासिनी के धाम में नवरात्र में रोक लगा दी जाती है। नाव संचालन के लिए लाइफ जैकेट आदि सुरक्षा उपकरण रखने का नियम बनाया जाए पर रोक न लगाई जाए। सड़कों पर भी हादसे होते पर पर आवागमन बंद नहीं होता है। नाव संचालन होगा तो सड़क पर भी ट्रैफिक का दबाव कम होगा। प्रदर्शन करने वालों में अरुण कुमार, राजेश निषाद, अजय, सोहन निषाद, सुमित, संदीप कुमार, राहुल निषाद आदि रहे।

दूशरी औरत से अवैध सम्बन्ध रखना पडा पति को भारी पत्नी ने करवा दी हत्या

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पुलिस लाइन परिसर सभागार में एडिशनल एसपी नक्सली द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया गया कि ग्राम पथरहिया सीताबहार निवासिनी सुनीता देवी, थाना करमा, सोनभद्र द्वारा थाना करमा पर लिखित

तहरीर दी थीं कि मेरे पति राम नरेश यादव उम्र लगभग 45 वर्ष जो बीते-25.01.2025 को शाम 18.00 बजे के बाद अपने घर से निकलकर खरी चुनी लेने गए थे। करीब सवा से साढ़े आठ बजे के आसपास सूचना मिली कि कोई उनके गले पर वार कर उनकी हत्या कर दिया है जिसके आधार पर विभिन्न धाराओं में मामला पंजीकृत कर विवेचना शुरू की गई। काफी प्रयास के बाद भी कोई उल्लेखनीय सफलता नहीं मिली किंतु उक्त घटना को निरंतर मॉनीटर करते हुए पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देश पर लगे हुए अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी व क्षेत्राधिकारी घोरावल राहुल पाण्डेय के नेतृत्व में थाना करमा, सर्विलांस व एसओजी की टीमें कार्य करती रहीं। इसी दौरान ग्राम वासियों में सुगबुगाहट होने लगी कि राम नरेश यादव कुसुम कोल के चक्कर में अपनी पत्नी सुनीता को प्रताड़ित करता था। इस बात के साक्ष्य भी मिलने लगे। दौरान विवेचना मिली गवाहियों एवं इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य से पुष्ट हुआ कि घटना मृतक नरेश यादव की पत्नी सुनीता देवी ने अपने दामाद आलोक यादव को मिलाकर कुछ लड़कों को नरेश यादव की हत्या के लिए सहेजा, जिसके परिणाम स्वरूप अभियुक्तगण 1. संदीप कुमार पुत्र शिव कुमार हरिजन निवासी केवटा, थाना घोरावल जिला सोनभद्र, 2. अजीत उर्फ गोलू पुत्र नंदलाल हरिजन निवासी केवटा, थाना घोरावल जिला सोनभद्र, 3. अंकित कुमार पुत्र महेंद्र हरिजन निवासी केवटा, थाना घोरावल जिला सोनभद्र, 4. मयंक कोल पुत्र राजेंद्र कोल निवासी जोगिनी, थाना घोरावल जिला सोनभद्र ने मौके पर घटना को अंजाम दिया। इसके बदले में मृतक की पत्नी सुनीता ने हत्या करने वालों को अपने दामाद आलोक यादव के माध्यम से रु0 50000/ दिया। इस प्रकार घटना का सफल अनावरण हुआ एवं हत्या जैसे जघन्य अपराध में शामिल/संलिप्त अभियुक्तगणों को तत्परता पूर्वक कार्यवाही करते हुए शनिवार को करमा क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया एवं उनके कब्जे से मृतक राम नरेश यादव की मोबाइल, घटना में प्रयुक्त बदमाशों की मोटरसाइकिल और आलाकत्ल - रॉड एवं फिरौती राशि में से बचे रुपए 15000/ बरामद कर लिया। विधिक कार्यवाही की जा रही है। पूछताछ का में यह जानकारी मिली जिससे पूछताछ में मृतक की पत्नी सुनीता देवी ने जुर्म स्वीकार करते हुए बताई कि पिछले तीन साल से अपने पति राम नरेश यादव के कुसुम कोल से संबंध, अपने एवं अपने बच्चों के प्रति उनकी प्रताड़ना से तंग आकर काफी समझाने के बाद जब नहीं माने तब मैंने अपने दामाद आलोक यादव निवासी ग्राम जोगिनी से संपर्क किया। आलोक यादव ने अपने साथियों संदीप कुमार, अंकित कुमार एवं अजीत उर्फ गोलू निवासीगण ग्राम केवटा थाना घोरावल जिला सोनभद्र एवं मयंक कोल निवासी ग्राम जोगिनी को 50000 रुपए पर हत्या करना स्वीकार किया। तब दिनांक 25 जनवरी 2025 को घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद तय राशि 50000 रुपए उन्हें आलोक यादव के माध्यम से उन्हें दे दिया गया। सभी बदमाशों ने उक्त घटना क्रम को तस्दीक किया।

सीएनजी टेंपो स्टैंड की मांग को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। कलेक्ट्रेट परिसर में शनिवार को सीएनजी टेंपो स्टैंड ना होने तथा आए दिन अवैध तरीके से का पतन झेलना पड़ता है वहीं ऑटो चालकों ने बताया कि ऑटो चालकों के सामने बहुत बड़ा समस्या उत्पन्न हो रहा है संबंधित अधिकारियों से

चालान किए जाने को लेकर आक्रोशित ऑटो चालक परिचालक स्वामीयो द्वारा विरोध प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी नामित ज्ञापन संबंधित को देखकर बुलंद की गई आवाज। अधिष्टा कर रहे प्रकाश चौरसिया ने बताया की नगर में टेंपो स्टैंड चिन्हित ना होने पर आए दिन ऑटो चालकों का चलन वह पुलिस वार्ता कर ऑटो चालकों के लिए चिन्हित स्टैंड कराया जाए जिससे कि हम लोग अपना स्थान रख कर कार्य करें सीएनजी टेंपो स्टैंड की सुविधा मिलने पर हम ऑटो चालकों के समस्याओं का समाधान हो पाएगा इस मौके पर सोनू, विकास ,रामबाबू ,धर्मराज सहित आदि लोग मौजूद रहे।

एडीओ पंचायत के संरक्षण में नगवां ब्लॉक के ग्राम पंचायतों में खूब फल फूल रहा भ्रष्टाचार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। नगवां ब्लॉक के ग्राम पंचायतों में हो रहे भ्रष्टाचार को एडीओ पंचायत का खुला संरक्षण मिल रहा है आंख बंद कर कर दी जांच शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों में नही दिखी सच्चाई ग्राम प्रधान को बताया दूध का धुला हुआ शिकायत कर्ता को ही कर दिया झूठा साबित। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत नंदना में हुए सरकारी धन के दुरुपयोग और विकास कार्यों में हुए भ्रष्टाचार को लेकर पिछले महीने कुछ प्रमुख समाचार पत्रों चैनलों और पोर्टलों पर खबर प्रकाशित की गई थी और ये मामला काफी चर्चित हुआ था उसी दौरान ग्राम पंचायत में सरकारी धन के बंदरबांट गलत उपयोग को लेकर मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई थीं जिसकी जांच उपनिदेशक पंचायती मंडल मिर्जापुर ने इसकी जांच के लिए डीपीआरओ सोनभद्र को नामित किया डीपीआरओ ने जांच के लिए एडीओ पंचायत नगवां को अधिकृत किया काफी जद्दोजहद के बाद एडीओ पंचायत जांच में तो गए पर उन्हें जांच में कही कोई कमी नहीं मिली मेहरबानी इतनी की प्रधान द्वारा अपने खेत में कराए गए सरकारी बोर से खेत की सिंचाई करते हुए नहीं दिखा और ग्राम प्रधान द्वारा अपने सगे संबंधियों के निजी घर तक सरकारी धन से कराए जा रहे सीसी रोड का निर्माण कार्य भी नहीं दिखा जिसका काफी हद तक पेमेंट भी हो चुका है। शिकायतकर्ता ने एडीओ पंचायत की जांच से संतुष्ट नहीं है शिकायतकर्ता का कहना है कि जांच से पहले एडीओ पंचायत ने फोन कर ग्राम प्रधान के विरुद्ध किए गए शिकायतों का साक्ष्य प्रस्तुत करने को बोले थे सारे साक्ष्य और रिकॉर्ड तो ब्लॉक में ही है फिर एडीओ पंचायत की साक्ष्य की मांग समझ से परे है काफी हिला हवाली के बाद जांच तो हुई लेकिन ग्राम प्रधान को बचाया गया है । इस मामले को लेकर जब डीपीआरओ सोनभद्र का पक्ष जानने का प्रयास किया गया तो उनका फोन नही उठा कई बार फोन करने के बहुत डीपीआरओ द्वारा फोन रिसीव नहीं किया गया मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार का सभी अधिकारियों को साफ आदेश है कि किसी भी हाल में सीयूजी नंबर उठाना है लेकिन जिम्मेदार अधिकारी मुख्यमंत्री के आदेशों की धज्जियां उड़ाते है।सूत्रों की मानी जाय तो एडीओ पंचायत ने ग्राम प्रधान से जांच के एवज में मोटी रकम लेकर ग्राम प्रधान के पक्ष में गलत झूठी आख्या लगाई गई है इस मामले में शिकायत कर्ता द्वारा बहुत जल्द ही जिलाधिकारी सोनभद्र से मिलकर पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच की मांग की जाएगी।

टेंपो चालकों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर किया प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। चुर्क मार्ग पर संचालित टेंपो चालकों ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट

पहुंचकर प्रदर्शन किया। यातायात पुलिस पर मनमानी का आरोप लगाते हुए पूर्व की तरह ही उनका टेंपो स्टैंड रामलीला मैदान में बहाल करने की मांग की। डीएम को ज्ञापन भी सौंपा। टेंपो चालकों का कहना था कि पहले उनकी टेंपो पहले चुर्क से रॉबर्ट्सगंज के रामलीला मैदान तक चलती थी, - जिससे वे आसानी से अपने परिवार का भरण-पोषण कर लेते थे। पुलिस ने रामलीला मैदान से हटाकर मंडी समिति गेट के पास टेंपो स्टैंड बना दिया। इस कारण उनकी आमदनी में भारी गिरावट आई है। उन्हें आगे नहीं जाने दिया जाता, जबकि ई-रिक्शा चालक पूरे नगर में जहां-तहां वाहन दौड़ा रहे हैं। जाम की असली वजह भी वह हैं, मगर उनके प्रति जिम्मेदारों का रवैया उदासीन है। कहा कि नए टेंपो स्टैंड से सवारी न मिलने के कारण परिवार का गुजारा मुश्किल हो गया है। कमाई कम होने से बच्चों की स्कूल फीस जमा करने में कठिनाई हो रही है। ई-रिक्शा चालक निर्धारित रूट की अनदेखी कर हाईवे पर 20-25 किमी तक अवैध रूप से यात्रियों को ले जा रहे हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। पूर्व में ई-रिक्शा चालकों को निर्धारित रूट पर ही सीमित रहने का निर्देश दिया गया था, लेकिन इसका कहीं पालन नहीं हो रहा। ज्ञापन सौंपने वालों में विनोद सिंह, संतोष कुमार, एकेश, पिंटू यादव, टिंकू, श्याम सुंदर आदि टेंपो चालक शामिल रहे।

रॉबर्ट्सगंज डिविजन में 66 करोड़ रुपये बिजली बिल बकाया, 10 करोड़ सरकारी विभागों पर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। वित्तीय सत्र के समापन में बस दो दिन रह गए हैं। विभाग बकाया वसूलने में युद्धस्तर पर लगे हुए हैं। बकाएदारों को नोटिस भेजा जा रहा है। घर-घर टीम जा रही है। छूट भी दी जा रही है। हालांकि मार्च तक बकाया जमा न करने पर वसूली के लिए सख्त रूख भी अपनाने की तैयारी है। नगर पालिका बकाएदारों को आरसी भेजेगा तो बिजली निगम दो अप्रैल से सबसे ज्यादा बकाए वाले इलाकों में कांबिंग अभियान चलाएगा। मौके पर ही कार्रवाई और एफआईआर भी होगी। रॉबर्ट्सगंज डिविजन के अंतर्गत बिजली निगम का उपभोक्ताओं पर 66 करोड़ रुपये बकाया है। इसमें करीब 10 करोड़ रुपये सरकारी विभागों पर है। अकेले जलजीवन मिशन पर छह करोड़ रुपये बाकी हैं। इसके अलावा 56 करोड़ रुपये आम उपभोक्ताओं पर बकाया है। घाटे से जूझ रहे बिजली निगम में बकाया वसूली पर विशेष जोर दिया जा रहा है। निगम ने इसके लिए 28 फरवरी तक एकमुश्त समाधान योजना चलाई थी। उपभोक्ताओं से 31 मार्च तक बकाया जमा करने की मोहलत दी जा रही है। वित्तीय सत्र समाप्ति के बाद बकाया जमा न करने वालों पर विभाग सख्त रुख अपनाएगा। इसके लिए सबसे ज्यादा घाटे वाले इलाके उपकेंद्र चिह्नित किए गए हैं। इन उपकेंद्रों से भी एक-एक फीडर लेकर अफसरों की टीम कांबिंग करेगी। घर-घर जाकर कनेक्शन चेक किया जाएगा। पहले चरण में पांच उपकेंद्र के पांच फीडरों को चुना गया है। इसमें दुबेपुर उपकेंद्र के वैनी फीडर, पन्नूगंज उपकेंद्र में मरकरी फीडर, धुआस उपकेंद्र के मूर्तिया फीडर, कुसुम्हा उपकेंद्र का अक्छोर फीडर और पसही उपकेंद्र के कुसी फीडर शामिल हैं। बिजली निगम के एक्सईएन एके सिंह ने बताया कि दो अप्रैल से इन फीडरों पर कांबिंग शुरू होगी। डोर टू डोर जाकर बिजली कनेक्शन की जांच की जाएगी। जिनके कनेक्शन नहीं होंगे, उन्हें मौके पर कनेक्शन दिया जाएगा। बकाया न जमा करने वालों के कनेक्शन काटे जाएंगे। जो कनेक्शन नहीं लेंगे, उनके विरुद्ध चोरी की एफआईआर दर्ज होगी। इस माह में अब तक 234 लोगों पर केस दर्ज कराया गया है।रॉबर्ट्सगंज नगर पालिका में जलकर व गृह कर के रूप में नागरिकों पर पांच करोड़ रुपये से अधिक बकाया है। इसमें करीब तीन करोड़ रुपये गृहकर और दो करोड़ रुपये जलकर के हैं। 50 हजार से अधिक के बकाएदारों को नगर पालिका की ओर से नोटिस भेजी जा रही है। उन्हें नोटिस मिलने के सात दिन के भीतर बकाया जमा करने का निर्देश दिया गया है। अगर वह तय अवधि में बकाया जमा नहीं करते तो आरसी जारी कर तहसील के माध्यम से बकाया वसूलने की कवायद शुरू होगी। ईओ विजय कुमार यादव ने बताया कि नए वित्तीय सत्र 2025-26 से गृहकर की नई दरें भी लागू हो जाएंगी। अप्रैल से इसी आधार पर गृहकर लगाया जाएगा। सोनभद्र। राज्य कर विभाग की ओर से जीएसटी ब्याज एवं अर्थदंड माफी की योजना चलाई जा रही है। इस योजना का लाभ 31 मार्च तक मिलेगा।

सरकार की उपलब्धि घर-घर तक पहुंचा रहे कार्यकर्ता:विनय श्रीवास्तव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन के द्वारा सरकार के 8 वर्ष

पूर्ण होने पर घर-घर संपर्क अभियान के तहत आज सोनभद्र नगर मंडल की टीम नगर अध्यक्ष विनय श्रीवास्तव के नेतृत्व में सोनभद्र नगर के राजकीय कन्या प्रथम शक्ति केंद्र पर बूथ संख्या 32 के अध्यक्ष चंदन मोदनवाल के साथ सरकार की उपलब्धियां के बारे में घर-घर संपर्क कर सरकार की उपलब्धियां और योजना की जानकारी के बारे में बताया गया इस अभियान का प्रारंभ नगर अध्यक्ष के नेतृत्व में किया गया इस अवसर पर आनंद गुप्ता अनुपम तिवारी धीरेंद्र पांडे अशोक भारती अजय श्रीवास्तव आलोक रावत अनुराग सिंह अभिषेक गुप्ता सभासद आनंद चौरसिया आशीष केसरी प्रकाश केसरी उपस्थित रहे।

जांच आख्या न देने पर घोरावल एसडीएम और तहसीलदार से मंडलायुक्त ने मांगा जवाब

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। विंध्याचल मंडल के आयुक्त बालकृष्ण त्रिपाठी ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने राजस्व मुकदमों की समीक्षा की। तीन और पांच वर्ष से अधिक लंबित मुकदमों का निस्तारण अभियान चलाकर करने के निर्देश दिए। लेखपाल के खिलाफ आरोपों की जांच आख्या समय से न देने पर घोरावल के एसडीएम और तहसीलदार से स्पष्टीकरण तलब किया। मंडलायुक्त ने न्याय सहायक अनुभाग, सामान्य कार्यालय अनुभाग, पासपोर्ट अनुभाग, ई-डिस्ट्रिक्ट गवर्नेंस कक्ष, राजस्व सहायक अनुभाग कक्ष, आंग्ल अनुभाग कक्ष, स्थानीय निकाय अनुभाग कक्ष, रिकॉर्ड रूम अनुभाग, मुख्य राजस्व अनुभाग कक्ष, नजारत आदि का निरीक्षण किया। मंडलायुक्त ने कहा कि कार्यालय के कार्यों को संपादन कराने की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की है। लिहाजा अधिकारी अपने विभागीय कार्यों के संबंध में आदेशों एवं निर्देशों का भलि-भांति अध्ययन करने के बाद ही अपने मातहतों को पूरी तरह से समझाकर ही पत्रावली की कार्रवाई सुनिश्चित कराएं। मंडलायुक्त ने राजस्व संबंधित समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि 3 वर्ष और 5 वर्ष से अधिक मुकदमों का निस्तारण अभियान चलाकर किया जाय। जो पटल सहायक कार्यों का बेहतर ढंग से क्रियान्वयन नहीं कर रहे, उनके पटल का परिवर्तन किया जाए। लेखपाल पर लगे आरोप पत्र की जांच आख्या समय से उपलब्ध न करने पर मंडलायुक्त ने घोरावल के एसडीएम और तहसीलदार को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। अटल आवासीय विद्यालय की सामग्री की आपूर्ति समय से विद्यालय में न दिए जाने पर डीएलसी पिपरी को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। आपूर्ति की जाने वाली सामग्री की गुणवत्ता की जांच टीम गठित कर कराने को कहा। इस मौके पर डीएम बीएन सिंह, एडीएम सहदेव कुमार मिश्र, रमेश चंद्र, रोहित यादव, प्रशासनिक अधिकारी रामलाल यादव आदि मौजूद रहे।मंडलायुक्त बालकृष्ण त्रिपाठी ने थाना रॉबर्ट्सगंज का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने संपूर्ण थाना परिसर का भ्रमण कर थाना कार्यालय, हवालात, महिला हेल्प डेस्क, कंप्यूटर कक्ष, मेस, बैरक आदि का निरीक्षण किया। परिसर साफ व स्वच्छ रखने के लिए संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने, थाने पर आने वाले प्रत्येक शिकायतकर्ता की शिकायतों को विनम्रता पूर्वक सुनकर उनके शिकायतों की शत-प्रतिशत निस्तारण करने हेतु निर्देश दिए। इस मौके पर डीएम बीएन सिंह, एसपी अशोक कुमार मीणा, सीओ सिटी डॉ. चारु द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

कांग्रेसियों ने चतरा ब्लॉक का घेराव कर किया प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पूर्व में कांग्रेस पार्टी द्वारा जनता की समस्याओं को लेकर खंड विकास अधिकारी कार्यालय चतरा का घेराव किया गया था और खंड विकास अधिकारी के नाम संबोधित सरकार में झूठ और भ्रष्टाचार चरम पर है। सरकार की तरह अधिकारी और कर्मचारी भी झूठ बोल रहे हैं। विकास के नाम पर लूट मची हुई है लेकिन विकास कहीं नहीं दिखाई दे रहा है। कर्म ब्लॉक अध्यक्ष बंशीधर

ज्ञापन भी दिया गया था। लेकिन निर्धारित समय के अंदर समस्याओं का निस्तारण न होने पर पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी सोनभद्र के पूर्व जिला महासचिव निगम मिश्रा के नेतृत्व में जनता की समस्याओं को लेकर खंड विकास अधिकारी कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया गया धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए निगम मिश्रा ने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार बहुत तेजी से बड़ा है शिकायत करने पर भी कोई अधिकारी और कर्मचारी सुनने वाला नहीं है। इस सरकार में अधिकारी और कर्मचारियों बे लगाम हो गए हैं। केंद्र और प्रदेश सरकार की सारी योजनाओं में भ्रष्टाचार चरम पर है। सभा को संबोधित करते हुए नागेंद्र देव पांडे ने कहा कि बीजेपी देव पांडे ने कहा कि भाजपा सरकार में अघोषित आपातकाल लागू है जो सरकार के खिलाफ आवाज उठाता है उसके ऊपर गलत आरोप लगाकर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करा दिया जाता है। इस सरकार के डर के मारे कोई भी आमजन और नेता अपनी आवाज मजबूती से नहीं उठा पा रहे हैं। धरना प्रदर्शन में निगम मिश्रा, नागेंद्र देव पांडे, शैलेंद्र श्रीवास्तव, मोहरमानी पाठक, लक्ष्मीकांत द्विवेदी, रफीक, रामवृक्ष विश्वकर्मा, फैज वारिस, रुक्मणी भारती, गुलाम रसूल, राजेश विश्वकर्मा, सुरेश विश्वकर्मा, मुन्नी भारती, सलीम खान, बीतुली भारती, मीणा, कलावती, सोना, आशा, भगवती ,तेतरी उर्मिला हीरावती अमरावती ,जसोदा, सुभावती,अहराजी आदि उपस्थिति रहे।

सरकार पाठशाला बढ़ाने के बजाय मधुशाला को बढ़ावा दे रही है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। आम आदमी पार्टी सोनभद्र के कार्यकर्ता उत्तर प्रदेश के कई स्थानों पर चलाए जा रहे एक शराब बोतल पर एक फ्री योजना के विरोध में रॉबर्ट्सगंज स्वर्णजयंती चौक बढ़ौली पर शनिवार को विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व जिलाध्यक्ष रमेश गौतम ने किया। आप सोनभद्र उत्तर प्रदेश में योगी सरकार द्वारा शराब बिक्री के लिए बम्पर ऑफ़र दिए जाने पर आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन कर राज्यपाल महोदया को संबोधित एक ज्ञापन भी सौंपा। उत्तर प्रदेश की सरकार द्वारा शराब बिक्री पर दिए गए बम्पर ऑफ़र की कड़ी निंदा करते हुए महिला विंग प्रदेश उपाध्यक्ष सुशील वर्मा ने कहा योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा शराब की एक बोतल के साथ दूसरी और तीसरी तक बोतल मुफ्त देने की योजना ने न केवल समाज को नैतिक रूप से कमजोर किया है, बल्कि यह राज्य के नागरिकों के स्वास्थ्य और भविष्य के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न कर रहा है। पूर्व जिलाध्यक्ष नीरज पांडे ने कहा यह योजना यह संदेश देती है कि शराब को एक प्रोत्साहन के रूप में पेश किया जा रहा है, जिससे राज्य में शराब के सेवन को बढ़ावा मिलेगा। उत्तर प्रदेश राज्य में पहले से ही सामाजिक और आर्थिक असमानताएं बढ़ रही हैं, और इस तरह की योजनाएं केवल इन असमानताओं को और बढ़ा सकती हैं। यह योजना हमारे युवाओं के लिए एक नकारात्मक संदेश भेजती है और शराब की लत को बढ़ावा देती है, जो स्वास्थ्य और समाज के लिए घातक है।विवेक पांडे किसान प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष ने कहा प्रदेश भर में कई शराब दुकानों पर लोगों में होड़ मच चुकी है, वे बंपर ऑफर का फायदा उठाना चाहते हैं। जिससे क़ानून व्यवस्था के बिगड़ने का भी लगातार खतरा बना हुआ है! यूथ विंग प्रदेश

उपाध्यक्ष प्रकाश चौरसिया ने कहा कि सरकार प्रदेश के जरूरी और अहम मुद्दों पर निर्णय लेने के बजाय समाज को नशे की तरफ धकेल कर योगी सरकार समाज को असली मुद्दों से भटकाना चाहती है! शराब का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, और राज्य सरकार को इस मुद्दे को गंभीरता से लेना चाहिए।महिला विंग जिलाध्यक्ष अंजनी कुशवाहा ने कहा हमारी मांग है 1.योगी सरकार द्वारा शराब पर दिए गए बम्पर ऑफ़र को तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जाए।2.शराब के प्रचार-प्रसार पर सख्त रोक लगाई जाए। एवं शराब के बढ़ते अवैध कारोबार का खात्मा किया जाए।3. युवाओं और समाज के अन्य वर्गों में शराब से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूकता अभियान चलाया जाए।4. शराब के दुरुपयोग के कारण हो रही सामाजिक समस्याओं को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।आज के विरोध प्रदर्शन में विमलेश सिंह पटेल जिला महासचिव, राजकुमार मौर्य जिला उपाध्यक्षबृजेश कुमार कनौजिया विधानसभा अध्यक्ष ओबरा , केवल सिंह कुशवाहा वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष, राजेंद्र प्रसाद रावर्टसगंज विधानसभा संरक्षक, श्रीकांत त्रिपाठी पूर्व जिला अध्यक्ष, प्रेमनाथ कनौजिया विधानसभा उपाध्यक्ष, गोविंद चौबे जिला उपाध्यक्ष, सुरेंद्र सिंह पटेल, दिनेश पटेल विधानसभा अध्यक्ष रावर्टसगंज, मुनव्वर, ओम प्रकाश, अनवर अली अंसारी जिला महासचिव अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ, शंकर निषाद, रामविलास निषाद, शेरू गुप्ता, देवानंद मौर्य, राजू सोनकर जिला अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ, कमला प्रसाद, परदेसी भाई पटेल, वशिष्ठ भाई विधानसभा उपाध्यक्ष, राजेश कुमार, ज्ञान चंद्र, नागेंद्र कुमार मौर्य, श्रवण कुमार ब्लॉक अध्यक्ष घोरावल, विकास यादव, जितेंद्र मौर्या आदि शामिल रहे।

पोषण वाटिका का काम अधूरा होने पर सीडीपीओ का वेतन रोका

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। तहसील मुख्यालय से सटे गांव डूमरडीहा के पंचायत भवन में मंडलायुक्त बालकृष्ण त्रिपाठी ने चौपाल लगाई। प्रदेश सरकार की योजनाओं की भौतिक स्थिति का सत्यापन किया। उन्होंने प्लास्टिक मुक्त सोनभद्र से जुड़कर पंचायत भवन पर टंगी बोरी में प्लास्टिक डाला। सभी ग्रामीणों को इस अभियान में लगकर गांव को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए प्रेरित किया। पोषण वाटिका का काम पूरा न होने पर सीडीपीओ का वेतन रोकने के निर्देश दिए। जन चौपाल में प्राथमिक विद्यालय में 18 बच्चे परीक्षा न देने की बात आई। मामले में बीईओ को जांच के निर्देश दिए। गांव में जागरूक करने के लिए स्कूल चलो अभियान चलाने की बात कही। ग्रामीण रामनारायण ने मनरेगा के तहत मजदूरी नहीं मिलने की शिकायत की। डीसी मनरेगा से इस पर जवाब मांगा। सभी कार्यों की जांच कर रिपोर्ट पेश करने को कहा। मनरेगा में बजट के अभाव के कार्य की वजह से कुछ कार्य बाधित हुए। शौचालय में केयरटेकर को हैंड वॉश बाल्टी सहित अन्य सुविधा देने का निर्देश दिए। आंगनबाड़ी केंद्र पर सहिजन का पेड़ सूखने की बाद दूसरे पेड़ लगाने के निर्देश दिए। डीएम ने पोषण वार्ड का काम पूरा नहीं होने पर सीडीपीओ वेतन रोक दिया। संचारी रोग नियंत्रण अभियान के संबंध में आशा एवं एएनएम से जानकारी ली। गांव के शिवदास ने पेंशन न मिलने की शिकायत रखी। इसकी जांच कराने को कहा। बताया गया कि जून महीने से हर घर नल जल योजना के तहत गांव में पानी की आपूर्ति शुरू हो जाएगी। चौपाल में पीडब्ल्यूडी व जिला पंचायत के अधिकारियों की अनुपस्थिति पर कार्रवाई के निर्देश दिए। इससे पहले ग्राम प्रधान फूलपत्ती देवी ने अधिकारियों का स्वागत किया। जनचौपाल में डीएम बद्रीनाथ सिंह, एसपी अशोक कुमार मीणा, सीडीओ जागृति अवस्थी, सीएमओ डॉ. अश्वनी कुमार, डीपीआरओ नमिता शरण, बीएसए मुकुल आनंद पांडेय, डीडीओ हेमंत सिंह, बीडीओ राम विशाल चौरसिया, एडीओ पंचायत आशुतोष श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

विविध

मेरा देश भारत

घर में फैला था खून ही खून, दिल दहलाने वाला था मंजर; इसलिए चार बच्चों का कत्ल कर बाप ने दी जान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
शाहजहांपुर। यूपी के शाहजहांपुर से रूह कंपाने वाली वारदात सामने आई है। रोजा थाना क्षेत्र में एक युवक ने अपने चार बच्चों की हत्या कर आत्महत्या कर ली। इस वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। एँप्रीह्जल एलम्म् ्रैः उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले से दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक शख्स ने चार बच्चों की हत्या कर खुदकुशी कर ली। गुरुवार की सुबह घटना की जानकारी हुई। सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंची। मरने वाले बच्चों में 13, नौ और सात साल की लड़की, जबकि पांच साल का लड़का है। सनसनीखेज वारदात की सूचना जैसे ही लोगों को मिली, तो मौके पर की ओर दौड़ पड़े। घटनास्थाल के पास भारी संख्या में भीड़ लग गई। पुलिस में शवों को कब्ज में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही पुलिस ने पूछताछ भी शुरू कर दी है। शुरुआती पूछताछ में जघन्य हत्याकांड को अंजाम देने की वजह भी सामने आई है। जानकारी के अनुसार, शाहजहांपुर में युवक ने धारदार हथियार से अपने चार बच्चों का गला रेत दिया। इसके बाद फंदे से लटककर

खुदकुशी कर ली। रोजा थाना क्षेत्र के मानपुर चचरी गांव में राजीव कठेरिया (36) अपनी पत्नी कांति देवी और बेटी स्मृति (13), कीर्ति (9), प्रगति (सात) और बेटे ऋषभ (पांच) के साथ रहता था। कांति देवी बुधवार को गांव करतोली स्थित अपने मायके चली गई थी। राजीव की पत्नी कांति उर्फ कौशल्या का मायका गांव करतौली, थाना फतेहगंज पूर्वी में है। घर में राजीव और चारों बच्चे थे। राजीव के घर के बगल में रह रहे उसके पिता पृथ्वीराज ने बृहस्पतिवार सुबह पोते को चाय पीने के लिए बुलाया लेकिन अंदर से कोई आवाज नहीं आई।काफी देर तक आवाज देने के बावजूद जब कोई बाहर नहीं निकला तो उन्होंने घर के अंदर झांककर देखा। अंदर का नजारा देखकर उनकी चीख निकल गई। अंदर खून ही खून फैला था। चारपाई भी खून से सनी था। चारों बच्चों के गले धारदार हथियार से काटे गए थे। अंदर राजीव साड़ी के फंदे से लटका हुआ था। वे चिल्लाते हुए बाहर आए तो ग्रामीणों की भीड़ लग गई। सूचना पाकर एसपी राजेश द्विवेदी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। प्राथमिक जांच में युवक के मानसिक रूप से परेशान होने की बात सामने आ रही है। साथ ही गृह कलेक्श की भी जानकारी मिल रही है। पिता पृथ्वीराज ने बताया कि राजीव का एक साल पहले एक्सीडेंट हो गया था। तब से वह मानसिक रूप से परेशान रहता था। कभी-कभी दिमाग पर गर्मी चढ़ जाती थी तो उल्टी-सीधी हरकत करने लगता था। एसपी राजीव द्विवेदी ने कहा कि मामले की जांच चल रही है। प्रथमदृष्टया युवक के मानसिक दबाव में होने की बात सामने आ रही है। पिता पृथ्वीराज ने बताया कि एक वर्ष पूर्व राजीव और उसकी पत्नी कौशल्या उर्फ कांति बाइक से गांव आ रहे थे। भावलखेड़ा सीएचसी के पास ट्रॉली से बाइक टकरा गई थी। सिर में चोट लगने के बाद से राजीव अजीब हरकतें करने लगा था। वह अपने आप से ही बातें करता रहता था। बगैर किसी वजह से झगड़ा करने लगता था।

पुलिस मुठभेड़ में दो तस्कर गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। तस्करों के पास तमंचा और गोवध के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण बरामद किया गया है। दोनों तस्कर कुशीनगर जिले के रहने वाले हैं। नौ गोवंश को पुलिस ने मुक्त कराया। गोवंश लेकर पिकअप से बिहार जा रहे पशु तस्करों और पुलिस के बृहस्पतिवार को सुबह मुठभेड़ हो गई। इसमें एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जबकि दूसरे को पुलिस ने दबोच लिया। बाकी तस्कर मौके से भाग निकले। इनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगाई गई हैं।तस्करों के पास तमंचा और गोवध के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण बरामद किया गया है। दोनों तस्कर कुशीनगर जिले के रहने वाले हैं। नौ गोवंश को पुलिस ने मुक्त कराया। दोनों तस्करों पर पडरौना कोतवाली में पहले से केस दर्ज है। दोनों पशु तस्कर कुशीनगर के रहने वाले है।

अग्निवीर में नॉमिनी के खाते की भी देनी होगी जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। अग्निवीर भर्ती के लिए आवेदन शुरू हो गया है। वहीं से मुआवजा मिल सके। वह अपने परिवार को नॉमिनी बना सकते हैं। नॉमिनी बताते समय कई अन्य

अग्निवीरों के परिवारों की सुरक्षा और भविष्य को देखते हुए अब अग्निवीर में नॉमिनी के खाते की भी जानकारी देनी होगी। अग्निवीर में अब नॉमिनी के खाते को भी लिया जाएगा। यह महत्वपूर्ण कदम है जो अग्निवीरों के परिवारों की सुरक्षा और भविष्य को सुनिश्चित करने में मदद करेगा। इस जांच से ये सुनिश्चित किया जाएगा कि नॉमिनी के खाते में कोई समस्या नहीं है और अग्निवीर की मृत्यु की स्थिति में उनके परिवार को सही तरीके जानकारी भी ली जाएगी। सेना भर्ती कार्यालय के निदेशक कर्नल शैलेश कुमार ने बताया कि अभ्यर्थी सही जानकारी दें, ताकि आगे चलकर परिजनों को परेशानी न हो। अगर किसी से कोई गलती भी हो जाती है, तो वह समय रहते कार्यालय में जानकारी देकर सही करा सकता है। युवाओं को मेडिकल पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। वह इस पर कम ध्यान देते हैं।

गृहकर बकाएदारों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, बीएसए कार्यालय समेत दो प्रतिष्ठानों पर निगम ने जड़ा ताला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। **वाराणसी जिले में गृहकर बकायेदारों के खिलाफ कार्रवाई का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में टैक्स बाकी है, पूर्व में कई बार गृहकर वसूली के लिए प्रयास किया गया। लेकिन गृहकर जमा नहीं किया गया। इसी मामले को लेकर संयुक्त**

गुरुवार को बीएसए कार्यालय पर भी निगम ने ताला लगा दिया। गृहकर बकाएदारों के खिलाफ नगर निगम द्वारा गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की गई। दो सरकारी विभागों को सील कर ताला बंद कर दिया गया। सुबह 10 बजे संयुक्त नगर आयुक्त जितेंद्र कुमार आनंद और कर निर्धारण अधिकारी अनुपम त्रिपाठी के नेतृत्व में कार्रवाई की गई।गौरतलब है कि बीएसए ऑफिस पर 6,73000 का नगर आयुक्त द्वारा बड़ी कार्रवाई करते हुए बीएसए कार्यालय को बंद कर दिया गया।वहीं कुछ ही देर के अंतराल में दूसरी कार्रवाई करते हुए सांस्कृतिक संकुल में भी ताला लगा दिया गया। सांस्कृतिक संकुल पर 57000 बकाया है। सांस्कृतिक संकुल के संस्थापक से भी कई बार टैक्स जमा करने के लिए कहा गया, लेकिन कर नहीं जमा किया गया। ऐसे में दोनों प्रतिष्ठानों पर ताला बंद कर दिया गया।

औरंगाबाद कहलाएगा परशुराम चौक, मदनपुरा होगा पुष्पदंतेश्वर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। काशी में अब मोहल्लों के नाम बदले जाएंगे। इसमें संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के विद्वान अपने-अपने स्तर से काम करेंगे। इसका खाका तैयार किया जाएगा। नाम परिवर्तन को लेकर काशी खंडोक्त का उपयोग किया जा रहा है। शहर के 70 फीसदी मुस्लिम और 30 फीसदी हिंदू मोहल्लों के नाम बदलने की कवायद शुरू हो गई है। पहले चरण में 50 से ज्यादा मोहल्लों के नाम बदलने का खाका तैयार किया जा रहा है। इस काम में संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के विद्वान लगाए गए हैं, जो पौराणिक मान्यता के आधार पर मोहल्लों के नए नाम का ड्राफ्ट तैयार कर रहे हैं। आगामी 20 दिनों में यह ड्राफ्ट नगर निगम को दिया जाएगा, फिर प्रस्ताव नगर निगम की कार्यकारिणी और सदन में आएगा। इस पर विधिवत चर्चा होगी, फिर नाम बदलने के प्रस्ताव पर मुहर लगाई जाएगी। अभी तक जो ड्राफ्ट बना है, उसके मुताबिक खालिसपुरा का नाम ब्रह्मतीर्थ, मदनपुरा का पुष्पदंतेश्वर और औरंगाबाद का नाम परशुराम चौक करने की तैयारी है। भाजपा पार्षदों ने मोहल्लों के नाम बदलने का मसौदा नगर निगम प्रशासन के समझ रखा था। इस पर सैद्धांतिक सहमति बनी, फिर काशी खंडोक्त और पौराणिक आधार पर मोहल्लों के नए नाम तय करने की प्रक्रिया शुरू हुई। इनमें मुस्लिम और हिंदू मोहल्लों के नाम शामिल हैं। 70 फीसदी मुस्लिम तो 30 फीसदी हिंदू मोहल्ले हैं।जिन मोहल्लों में पौराणिक देवी और देवता विद्यमान हैं, उन्हीं के आधार पर नाम बदला जाएगा। खालिसपुरा का नाम ब्रह्मतीर्थ किए जाने का खाका तैयार किया गया है। इसी तरह औरंगाबाद का नाम परशुराम चौक करने की

तैयारी है। काशी खंडोक्त में इस क्षेत्र को भगवान परशुराम का कहा गया है। कज्जाकपुरा का नाम अनारक तीर्थ, अंबिया मंडी का अमरेश्वर तीर्थ और पीलीकोठी का स्वर्ण तीर्थ करने की तैयारी है। मदनपुरा, रेवड़ी तालाब के नाम बदलने का खाका भी तैयार किया गया है मेयर को दिया जा है पत्र, रामभद्राचार्य कर चुके हैं मांग सनातन रक्षक दल ने भी हाल ही में मेयर अशोक कुमार तिवारी और नगर आयुक्त अक्षत वर्मा को पत्र दिया था। इसमें खालिसपुरा, गोल चबूतरा, औरंगाबाद का नाम बदलने की मांग रखी गई थी। बीएचयू के एक कार्यक्रम में आए जगदगुरु रामभद्राचार्य ने भी मुगलकाल की याद दिलाने वाले मोहल्लों के नाम बदलने की मांग की थी। इसे लेकर भाजपा पार्षदों ने गोलबंदी भी शुरू कर दी।मोहल्ले के नाम बदलने के लिए नियम है कि पहले स्थानीय लोगों की राय ली जाए। अधिकतर लोगों की सहमति लिखित लेने के बाद प्रस्ताव तैयार किया जाता है। इसे स्थानीय निकाय के पास भेजा जाता है। वहां समीक्षा के बाद इसका अनुमोदन होता है। इसके बाद अधिसूचना जारी की जाती है। इसके बाद नाम बदल जाता है। जिन मोहल्लों का नाम बदला जाता है। वहां के लोगों को अपने सभी रिकॉर्ड में नाम बदलवाने की चुनौती होती है। इसके अलावा रेलवे और डाक विभाग को भी सूचित करना पड़ता है। कई बार रिकॉर्ड सुधारने में महीनों लग जाते हैं। इस नाते लोगों को दिक्कतें हो सकती हैं। पिछले दिनों में प्रदेश के कई शहरों का नाम स्टेशन का नाम बदला गया, लेकिन नाम बदलने से कोई फर्क नहीं पड़ा। आज भी लोग पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन को मुगलसराय के नाम से ही कहते हैं और प्रयागराज को इलाहाबाद के नाम से बुलाते हैं। हालांकि सरकारी दस्तावेजों में प्रयागराज और पीडीडीयूनगर ही लिखा जाता है। नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक गुरुवार को दिन में 12 बजे मेयर अशोक कुमार तिवारी की अध्यक्षता में होगी। इसमें औरंगाबाद का नाम बदलकर लक्ष्मीनगर या नारायणी धाम नगर करने पर चर्चा होगी। इस आशय का आदेश बुधवार को कार्यकारिणी सदस्यों को जारी हो गया है। इसमें तंबाकू उत्पाद विक्रय, दुकानों के किराए में वृद्धि, बिरला अस्पताल के लीजरेंट, विज्ञापन और अनुज्ञा शुल्क, एसटीपी के रखरखाव के लिए वन सिटी वन आपरेटर, 11 पार्कों में डेयरी प्रॉडक्ट, निष्प्रयोज्य सामग्री के नीलामी आदि पर चर्चा की जाएगी इसके अलावा 12 नगर निगम के कार्यकारिणी सदस्यों के प्रस्तावों पर चर्चा की जाएगी। मेयर अशोक कुमार तिवारी ने बताया कि आगामी गर्मी और बारिश की तैयारियों पर चर्चा होगी। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर चर्चा कर शहर के बेहतर विकास की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

सीएम योगी ने कहा- घबराइए मत, हर समस्या का होगा समाधान- 200 लोगों की सुनीं समस्याएं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
गोरखपुर। बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में महिलाओं की संख्या अधिक रही। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे।अपने नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार के आठ सफल वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर एक विशेष समारोह में शामिल होने के लिए मंगलवार को गोरखपुर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास करने के बाद बुधवार सुबह जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा, 'घबराइए मत, हर समस्या का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। हर पीड़ित की शिकायत का प्रभावी निस्तारण कराया जाएगा।' जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी निस्तारण कराएं।बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में महिलाओं की संख्या अधिक रही। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। एक-एक कर और इत्मीनान से सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए।कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अफसरों को यह

गोरखपुर पहुंचे प्रभारी मंत्री, कहा- भव्य आकर ले रहा है नया उत्तर प्रदेश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
गोरखपुर। सामाजिक क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव हुए हैं। उन्होंने कहा कि गरीब का अगर मकान बनता है, उसकी बेटी की शादी हो जाती बदलाव हुए हैं। उन्होंने कहा कि गरीब का अगर मकान बनता है, उसकी बेटी की शादी हो जाती है, तो वह समझता है कि जीवन धन्य हो गया। योगी सरकार में 56 लाख लोगों के

है, तो वह समझता है कि जीवन धन्य हो गया। योगी सरकार में 56 लाख लोगों के मकान बने। 15 करोड लोगों को राशन मिला। उत्तर प्रदेश अब बीमारू राज्य की छवि तोड़कर विकास की राह पर चल रहा है। नया उत्तर प्रदेश भव्य आकर ले रहा है। 2017 से पहले काफी चुनौतियां थी। ये बातें प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बुधवार को तारामंडल स्थित महंत दिग्विजय नाथ पार्क में सरकार के आठ साल पूर्ण होने पर पत्रकारों से बातचीत में कहीं।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश नंबर वन राज्य बनने की ओर अग्रसर है। सामाजिक क्षेत्र में ऐतिहासिक मकान बने। 15 करोड लोगों को राशन मिला।लगभग 2 करोड़ घरों में नल से जल पहुंचा। लोगों के आयुष्मान कार्ड बने, 46 लाख लोगों को निशुल्क गैस कनेक्शन दिया गया। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले सपा सरकार में दंगा होते थे, लेकिन अब प्रदेश दंगा मुक्त हो चुका है। योगी सरकार में दिव्य कुंभ हुआ।सपा सरकार में कुंभ में 7 करोड लोग पहुंचे थे लेकिन योगी सरकार में 66 करोड लोगों ने डुबकी लगाई। उन्होंने कहा कि सड़कों का जाल बिछा। उन्होंने कहा कि प्रदेश ने पर्यटन के क्षेत्र में छलांग लगाई है। 66 करोड पर्यटक बढे हैं।

दो बच्चों को छोड़ आशिक से की शादी बिलखते रह गए मासूम, पति ने करवाई रस्में

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
गोरखपुर। गांव वालों का कहना है कि 1 वर्ष पहले महिला और गांव निवासी एक युवक के बीच प्रेम प्रपंच शुरू हुआ जो मार्च 2025 आते-आते परवान चढ़ गया। महिला करीब एक सप्ताह पहले अपने प्रेमी के साथ गांव वालों का कहना है कि 1 वर्ष पहले महिला और गांव निवासी एक युवक के बीच प्रेम प्रपंच शुरू हुआ जो मार्च 2025 आते-आते परवान चढ़ गया। महिला करीब एक सप्ताह पहले अपने प्रेमी के साथ घर से फरार हो गई। जिसके तलाश में

घर से फरार हो गई। उत्तर प्रदेश के संतकबीरनगर जिले के धनघटा क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला को सोमवार को मां की ममता नहीं डिगा पाई। अपने छोटे-छोटे दो बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ शादी कर ली। शादी के दौरान मौजूद लोग महिला को समझाते बुझाते रह गए बच्चे अलग-अलग बिलखते रहे, लेकिन वह अपने जिद पर अड़ी रही। वहीं पत्नी की शादी की रस्मों के दौरान पति मौजूद रहा। धनघटा क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक की शादी वर्ष 2017 में गोरखपुर जिले के एक गांव में हुई थी। महिला दो बच्चों की मां बनी जिनकी उम्र क्रमशः 7 व 2 वर्ष है। महिला का पति घर पर रहकर मेहनत मजदूरी करता है। उसके परिजन लगे रहे। सोमवार की सुबह महिला अपने प्रेमी के साथ घर पर पहुंची और प्रेमी से शादी करने की बात कहने लगी। गांव के लोग दोनों को काफी समझाए-बुझाए लेकिन वह किसी भी कीमत पर मानने को तैयार नहीं हुई। अंत में प्रेमी और प्रेमिका अपने परिजनों के साथ धनघटा में स्थित बाबा दानी नाथ मंदिर पर पहुंचे। प्रेमी जोड़े ने भगवान भोलेनाथ को साक्षी मानकर एक दूसरे के गले में जय माल डाल दिए। इस बीच यह भी निर्णय हुआ कि दोनों बच्चे अपने बाप के साथ रहेंगे। मां को बिछड़ते देख दोनों बच्चे बिलख रहे थे लेकिन प्रेम में अंधी बनी महिला के ऊपर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने ट्रंप से फोन पर बात की, बोले- हम जो चाहते थे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अमेरिका और कनाडा के रिश्ते इन दिनों मुश्किलों से गुजर रहे हैं। ट्रंप द्वारा टैरिफ लगाने के चलते कनाडा की परेशानी बढ़ी हुई है। इस सबके बीच शुक्रवार को ट्रंप और कनाडा के नए पीएम मार्क कार्नी के बीच फोन पर बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने इस बातचीत को लेकर संतोष

जाहिर किया। कनाडा के नवनियुक्त पीएम मार्क कार्नी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच शुक्रवार को फोन पर बातचीत हुई। मार्क कार्नी के शपथ ग्रहण के बाद पहली बार है, जब दोनों देशों के नेताओं के बात हुई। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि कनाडाई पीएम के साथ बातचीत बेहद उत्पादक और अच्छी रही। वहीं मार्क कॉर्नी ने भी इसे लेकर संतोष जताया और कहा कि ट्रंप ने कनाडा की संप्रभुता का सम्मान किया। मार्क कॉर्नी ने ये भी कहा कि जैसा हम चाहते थे, वैसी ही बात हुई। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि अमेरिका और कनाडा के रिश्ते अब बदल चुके हैं और पहले जैसे नहीं रहे हैं। दोनों नेताओं के बीच बात ऐसे समय हुई है, जब अमेरिका ने कनाडा के खिलाफ व्यापार युद्ध छेड़ा हुआ है और कनाडा से आने वाले उत्पादों पर भारी टैरिफ लगाने का एलान किया है। इसका सीधा असर कनाडा की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। ट्रंप कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात भी कह चुके हैं। हालांकि अब ताजा बयान में ट्रंप ने ऐसी कोई बात नहीं कही। ट्रंप ने कहा कि 'हमारे बीच अच्छी बातचीत हुई, मार्क कार्नी ने मुझे फोन किया। अभी कार्नी को चुनाव का सामना करना है, उसके बाद देखते हैं कि क्या होता है।' इसके बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 'दोनों देश कई मुद्दों को लेकर सहमत हुए हैं और जैसे ही कनाडा में आम चुनाव होंगे, हम मुलाकात करेंगे। उस बैठक में राजनीति, व्यापार और अन्य मुद्दों पर बात होगी, जो अमेरिका और कनाडा दोनों के लिए अच्छा होगा।' हालांकि टैरिफ को लेकर दोनों देशों के बीच कोई सहमति नहीं बन सकी। फोन पर बातचीत के बाद कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने कहा कि 'ये साफ है कि अमेरिका अब कनाडा का भरोसेमंद सहयोगी नहीं रहा है। हालांकि बातचीत के बाद कुछ भरोसा बहाल हो सकता है, लेकिन हम पीछे नहीं जा सकते।' कार्नी ने कहा कि 'अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कनाडा की संप्रभुता का पूरा सम्मान किया। हम जो चाहते थे, बिल्कुल वैसा ही हुआ।' उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने ऑटोमोबाइल उत्पादों पर भी 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया है। कनाडा, अमेरिका के शीर्ष ऑटोमोबाइल निर्यातकों में शामिल है।

काठमांडू में हालात तनाव पूर्ण, कुछ इलाकों से हटा कर्फ्यू

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। काठमांडू में शुक्रवार को राजशाही समर्थकों ने जमकर उत्पात मचाया था। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प हो गई थी। कई घरों में आग लगा दी गई। दो लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद पुलिस गया। प्रदर्शन उस वक्त हिंसक हो गया जब आंदोलन के संयोजक दुर्गा प्रसाद ने सुरक्षा बैरिकेड तोड़ दिया। वे बुलेटप्रूफ वाहन पर सवार होकर बानेश्वर की ओर बढ़ गए। पुलिस ने 100 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में राष्ट्रीय प्रजातंत्र

ने कर्फ्यू लगाया था। इसे शनिवार सुबह हटा लिया गया नेपाल के काठमांडू में शुक्रवार को राजशाही समर्थकों और पुलिसकर्मियों की हिंसक झड़प के बाद हालात तनाव पूर्ण बने हैं। लेकिन पुलिस ने कुछ इलाकों में शांति देखते हुए कर्फ्यू हटा लिया है। वहीं 100 से ज्यादा राजशाही समर्थकों को गिरफ्तार किया गया है। नेपाल के काठमांडू में शुक्रवार को राजशाही समर्थकों ने जमकर उत्पात मचाया था। उन्होंने तिनकुने इलाके में एक घर में आग लगा दी। समर्थकों ने पत्थरबाजी के साथ ही एक राजनीतिक दल के कार्यालय पर हमला बोला। वाहनों में आगजनी और दुकानों में लूटपाट की। इसके अलावा सुरक्षा बैरिकेड तोड़ने की भी कोशिश की, जिसके चलते पुलिस से उनकी झड़प हुई। झड़प के दौरान दो व्यक्तियों की मौत हो गई थी। इसके बाद कई इलाकों में शुक्रवार शाम 4.25 बजे से कर्फ्यू लगाया गया था। इसे शनिवार सुबह 7 बजे से हटा लिया पार्टी के महासचिव धवल शमशेर राणा और पार्टी के एक केंद्रीय सदस्य रवींद्र मिश्रा भी शामिल हैं। काठमांडू जिला पुलिस रेंज के पुलिस अधीक्षक एपिल बोहरा ने कहा कि मुख्य व्यक्ति प्रसाद अभी फरार है। हिंसक झड़प में 53 पुलिसकर्मी, सशस्त्र पुलिस बल के 22 जवान और 35 प्रदर्शनकारी घायल हुए हैं। वहीं प्रदर्शन के दौरान 14 इमारतों में आग लगा दी गई और नौ में तोड़फोड़ की गई। नौ सरकारी वाहनों को आग लगा दी गई और छह निजी वाहनों में तोड़फोड़ की गई। बता दें कि नेपाल के राजनीतिक दलों ने 2008 में संसद की घोषणा के जरिये 240 साल पुरानी राजशाही को खत्म किया और हिंदू राज्य को एक धर्मनिरपेक्ष, संघीय, लोकतांत्रिक गणराज्य में बदल दिया। तब से राजशाही समर्थक राजशाही की बहाली की मांग कर रहे हैं। पूर्व राजा ज्ञानेंद्र ने लोकतंत्र दिवस (19 फरवरी) पर एक वीडियो संदेश में अपने समर्थन की अपील की थी।

सम्पादकीय

संदेह के बीज बोने की कोशिश, चुनाव आयोग को बदनाम करने का प्रयास

अमेरिका की सत्ता में डोनाल्ड ट्रंप की अप्रत्याशित वापसी के पीछे उनके नारे 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' यानी मागा की अहम भूमिका रही थी। ट्रंप अमेरिका को फिर से महान बनाने का वादा कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने आधुनिक विश्व के इस सबसे पुराने लोकतंत्र की चुनावी विसंगतियों को सुधारने के कोई संकेत नहीं दिए हैं। यही चुनावी विसंगतियां अक्सर अमेरिका में चुनाव परिणाम को लेकर विवादों को जन्म देती हैं। यहां तक कि ट्रंप भी इस चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाते रहे हैं, लेकिन उनके सत्ता संभालने के बाद भी इसमें सुधार के कोई आसार नहीं दिख रहे। अमेरिकी चुनाव प्रणाली की सबसे बड़ी विसंगति तो यही है कि उसका कोई मानकीकरण नहीं है। इस मोर्चे पर उसे विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की चुनाव प्रणाली की ओर देखना चाहिए। अमेरिका में कोई संघीय चुनाव प्राधिकारी संस्था भी नहीं है, जो पूरे देश में चुनाव प्रक्रिया का एक समान नियमन कर सके। इसके उलट भारत में राष्ट्रीय चुनाव कानून के साथ ही भारत निर्वाचन आयोग जैसी केंद्रीय चुनाव प्राधिकारी संस्था भी है जो संवैधानिक अधिकारों से सशक्त है। इसके अलावा, भारत में देश के सभी निर्वाचन क्षेत्रों में एक ही विधि से मतदान कराने के लिए इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम जैसी व्यवस्था भी है। यह मशीन कम पढ़े-लिखे लोगों के लिए भी उपयोगी होने के साथ ही कुछ ही घंटों में परिणाम का आकलन करने में सक्षम है। अमेरिका में चुनाव प्रक्रिया अस्त-व्यस्त एवं अराजक है। विभिन्न राज्यों में मतदान से लेकर मतगणना को लेकर अलग-अलग व्यवस्थाएं हैं। हर काउंटी के भी अपने चुनाव कानून हैं, जो अलग-अलग तरीके से मतदान प्रक्रिया को संचालित करते हैं। कई जगहों पर मतपत्र की व्यवस्था है, जहां मतदाताओं को अपनी पसंद दर्शाने के लिए मार्कर दिया जाता है। वे चुनाव चिह्नों का उपयोग नहीं करते। कुछ काउंटी में मतपत्रों के साथ एक मशीन के माध्यम से अपनी पसंद को दर्शाने का प्रविधान है। वर्ष 2000 तक मतदाताओं से उनकी पसंद के प्रत्याशी के नाम पर पंच करने के लिए कहा जाता था। इससे भी अजीब तो यह लगेगा कि कहीं लीवर पंच करके भी मतदान की व्यवस्था रही है। कुछ समय पहले तक पंच करने को लेकर भी राज्यों में अलग-अलग व्यवस्था थी। टेक्सास में बैलेट को इस तरह पंच करना अनिवार्य रहा कि उसमें पूरा छेद हो जाए। अगर इसमें कुछ कमी रह जाती तो मत की गिनती नहीं होती। इसके उलट फ्लोरिडा में बैलेट को पंच करने की व्यवस्था अपेक्षाकृत उदार रही, जहां आंशिक चिह्न से भी काम चल जाता। इसी को लेकर 2000 के चुनाव में जार्ज बुश जूनियर और अल गोर के बीच चुनावी लड़ाई अदालत की देहरी तक पहुंच गई थी और अंतिम निर्णय आने में कई दिन लग गए थे। इस वाकये के करीब 25 साल गुजर जाने के बाद भी अमेरिका में चुनाव सुधारों की दिशा में कोई खास प्रगति नहीं हुई। जो संस्थाएं अस्तित्व में भी आईं तो उनकी भूमिका सलाहकार के रूप में ही सीमित होकर रह गई है। एक आकलन के अनुसार करीब 70 प्रतिशत मतदाता मतपत्र, 23 प्रतिशत पसंद को दर्शाने वाली मशीन और शेष सात प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से मतदान करते हैं। मतपत्रों से चुनाव कराने को लेकर भी अलग-अलग राज्यों में अपनी व्यवस्था है। नियत समय से पूर्व मतदान के भी तरह-तरह के स्वरूप मौजूद हैं। यहां तक कि एक राज्य के अलग-अलग इलाकों में भी एकसमान व्यवस्था नहीं। जैसे टेक्सास में मतदाता ईवीएम से वोट देंगे या मतपत्र से, यह उनके निवास स्थान से निर्धारित होगा कि वे कहां रहते हैं। अमेरिका के पूर्वी और पश्चिमी तट के समय में अंतराल भी चुनावी विसंगतियों को बढ़ाता है। जैसे न्यूयार्क में शाम छह बजे मतदान संपन्न हो जाता है तो टीवी चैनल एक्जिट पोल दिखाने लगते हैं। उस समय तक कैलिफोर्निया में मतदान के पांच घंटे शेष रह जाते हैं। यह मतदाताओं के मानस को प्रभावित करने का काम करता है। इससे स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की संकल्पना को क्षति पहुंचती है। इसके उलट भारत में लोकसभा चुनाव का परिणाम मतगणना के दिन शाम तक करीब-करीब तय हो जाता है। इसी तरह विधानसभाओं के चुनाव नतीजे तो दोपहर तक ही स्पष्ट हो जाते हैं। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव का फैसला होने में कई दिन तक लग जाते हैं। उसके बाद भी विवाद की आशंका बनी रहती है। डोनाल्ड ट्रंप ने शुरुआती रुझान के आधार पर ही अपनी जीत का एलान कर दिया था, लेकिन औपचारिक घोषणा में कई दिन लग गए, क्योंकि तमाम राज्यों में मतगणना की प्रक्रिया जारी थी। इस प्रकार देखें तो लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और चुनावों की कसौटी विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत पूरे संसार में सिरमौर दिखाई पड़ता है। इस मामले में अमेरिका हमसे मीलों पीछे और उसे भारत की बराबरी करने में न केवल बहुत समय लगेगा, बल्कि इसके लिए उसे बहुत प्रयास भी करने पड़ेंगे।

परिसीमन की कसौटी, शासन गुणवत्ता और विशिष्ट संस्कृति क्षेत्र भी आधार बनाए जा सकते हैं

लोकसभा सीटों के परिसीमन पर बहस जारी है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा है कि परिसीमन जनसंख्या के आधार पर ही नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि इससे दक्षिण के राज्यों को नुकसान होगा। गृहमंत्री अमित शाह ने आश्वासन दिया है कि परिसीमन प्रक्रिया से दक्षिणी राज्यों को नुकसान नहीं होगा और सरकार किसी भी

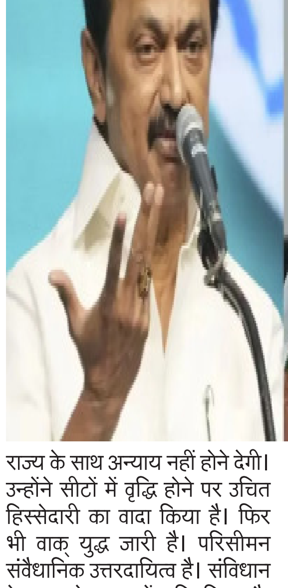

राज्य के साथ अन्याय नहीं होने देगी। उन्होंने सीटों में वृद्धि होने पर उचित हिस्सेदारी का वादा किया है। फिर भी वाक् युद्ध जारी है। परिसीमन संवैधानिक उत्तरदायित्व है। संविधान के अनुच्छेद 82 में उल्लिखित है, 'प्रत्येक जनगणना के बाद राज्यों को लोकसभा में स्थानों के आवंटन और प्रत्येक राज्य के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों में विभाजन को ऐसे प्राधिकारी द्वारा और ऐसी रीति से पुनः समायोजन किया जाएगा जो संसद विधि द्वारा अवधारित करे।' संविधान में जनसंख्या को ही सीटों के निर्धारण का मुख्य आधार बताया गया है। इसीलिए प्रत्येक जनगणना के बाद परिसीमन का प्रविधान है। परिसीमन का कार्य जनसंख्या परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं को पुनः समायोजित करना एवं विभिन्न क्षेत्रों के बीच सीटों का समान वितरण सुनिश्चित करना है। संबंधित कानून के अनुसार परिसीमन कार्य के लिए एक आयोग का गठन किया जाता है। अब तक चार बार इस आयोग का गठन हो चुका है। 1976 में संशोधन अधिनियम द्वारा सन 2000 तक लोकसभा सीट आवंटन और निर्वाचन क्षेत्र विभाजन को 1971 के स्तर पर स्थिर कर दिया था।

नर और नारी, दोनों के जीवन के उद्देश्य एक हैं; सूत्र है पूर्णता का आभास करना

नारी केवल नर को रिझाने अथवा उसे प्रेरणा देने के लिए नहीं बनी है, बल्कि जीवन यज्ञ में उसका भी अपना हिस्सा है और वह हिस्सा घर तक ही सीमित नहीं, बल्कि बाहर भी है। अर्धनारीश्वर

शंकर और पार्वती का कल्पित रूप है, जिसका आधा अंग पुरुष का और आधा अंग नारी का होता है। स्पष्ट ही, यह कल्पना शिव और शक्ति के बीच पूर्ण समन्वय दिखाने को निकाली गई होगी, किंतु इसकी सारी व्याप्तियां वहीं तक नहीं रुकतीं। अर्धनारीश्वर की कल्पना में कुछ इस बात का भी संकेत है कि नर-नारी पूर्ण रूप से समान हैं एवं उनमें से एक के गुण दूसरे के दोष नहीं हो सकते। अर्थात नरों में नारियों के गुण आएं, तो इससे उनकी मर्यादा हीन नहीं होती, बल्कि उनकी पूर्णता में वृद्धि होती ही होती है। किंतु पुरुष और स्त्री में अर्धनारीश्वर का यह रूप आज कहीं भी देखने में नहीं आता।संसार में सर्वत्र पुरुष पुरुष है और स्त्री स्त्री। नारी समझती है कि पुरुष के गुण सीखने से उसके नारीत्व में बट्टा लगेगा। इसी प्रकार पुरुष भी स्त्रियोचित गुणों को अपनाकर समाज में स्त्रैण कहलाने से घबराता है। स्त्री और पुरुष के गुणों के बीच एक प्रकार का विभाजन हो गया है तथा विभाजन की रेखा को लांघने में नर और नारी, दोनों को भय लगता है। किंतु लगता है कि गुणों का बंटवारा करते समय पुरुष ने नारी से उसकी राय नहीं पूछी, अपने मन से उसने जहां चाहा, नारी को बिठा दिया। स्वयं तो वह वृक्ष बन बैठा और नारी को लता बना दिया। स्वयं तो वह वृंत बन गया और नारी को उसने कली मान लिया। यदि आदिमानव और आदिमानवी आज मौजूद होते, तो ऐसी कल्पना से सबसे अधिक आश्चर्य उन्हें ही होता। हम तो साथ-साथ जन्मे थे तथा धूप और चांदनी में, वर्षा और आतप में साथ ही घूमते भी थे; बल्कि आहार-संचय को भी हम साथ ही निकलते थे और अगर कोई जानवर हम पर टूट पड़ता, तो हम एक साथ उसका सामना भी करते थे। नारी की पराधीनता तब आरंभ हुई, जब मानव जाति ने कृषि का आविष्कार किया, जिसके चलते नारी घर में और पुरुष बाहर रहने लगा। यहां से जिंदगी दो टुकड़ों में बंट गई। नर और मादा पशुओं में भी थे और पक्षियों में भी। किंतु पशुओं और पक्षियों ने अपनी मादाओं पर आर्थिक परवशता नहीं लादी। लेकिन मनुष्य की मादा पर यह पराधीनता आप से आप लद गई। और इस पराधीनता ने नर-नारी से वह सहज दृष्टि भी छीन ली, जिससे नर पक्षी अपनी मादा को या मादा अपने नर को देखती है।नारी और नर एक ही द्रव्य की ढली दो प्रतिमाएं हैं। आरंभ में दोनों बहुत कुछ समान थे। आज भी प्रत्येक नारी में कहीं न कहीं कोई एक प्रच्छन्न नर और प्रत्येक नर में कहीं न कहीं एक क्षीण नारी छिपी हुई है। किंतु सदियों से नारी अपने भीतर के नर को और नर अपने भीतर की नारी को बेतरह दबाता आ रहा है। परिणाम यह है कि आज सारा जमाना ही मर्दाना मर्द और औरताना औरत का हो उठा है। नर-नारी के प्रचलित संबंधों का मनोवैज्ञानिक प्रभाव संसार के इतिहास पर पड़ रहा है और जब तक यह संबंध नहीं सुधरते, शांति के मार्ग की सारी बाधाएं दूर नहीं होंगी। नारी केवल नर को रिझाने अथवा उसे प्रेरणा देने के लिए नहीं बनी है, बल्कि जीवन यज्ञ में उसका भी अपना हिस्सा है और वह हिस्सा घर तक ही सीमित नहीं, बाहर भी है। जिसे भी पुरुष अपना कर्मक्षेत्र मानता है, वह नारी का भी कर्मक्षेत्र है। नर और नारी, दोनों के जीवनोद्देश्य एक हैं। सूत्र- पूर्णता का आभास करें गांधी जी ने अपने जीवन के अंतिम दिनों में नारीत्व की भी साधना की थी। अर्धनारीश्वर केवल इसी बात का प्रतीक नहीं है कि नारी और नर जब तक अलग हैं, तब तक दोनों अधूरे हैं, बल्कि इस बात का भी कि पुरुष में नारीत्व की ज्योति जगे और प्रत्येक नारी में भी पौरुष का स्पष्ट आभास हो। प्रत्येक नर को एक हद तक नारी व प्रत्येक नारी को एक हद तक नर बनाना भी जरूरी है।

नाकामी की पोल खोलता नदियों का प्रदूषण, राजनीति इच्छाशक्ति बढ़ाना होगा

जलशक्ति मंत्रालय की ओर से संसद में दी गई यह जानकारी निराश करने वाली है कि नदियों के प्रदूषण को दूर करने का काम सही तरह नहीं हो पा रहा है। यह स्वीकारोक्ति इसलिए चिंताजनक है, क्योंकि एक लंबे समय से कहा जा रहा है कि नदियों में सीवरों का गैर शोधित पानी नहीं गिरने दिया जाएगा। बीते दिनों संसद में दी गई जानकारी से यह पता चल रहा है कि सीवेज सिस्टम की खामी से नदियों को प्रदूषण मुक्त करने में बाधा आ रही है। 2014 में मोदी सरकार ने सत्ता में आने के साथ ही जब गंगा नदी को प्रदूषण मुक्त करने का अभियान नए सिरे से शुरू किया और इसके लिए एक नई व्यवस्था बनाई, तब यह उम्मीद बंधी थी कि इस नदी को प्रदूषण मुक्त करने के साथ अन्य नदियों को प्रदूषित होने से रोकने में सफलता मिलेगी, लेकिन स्थिति यह है कि अभी गंगा को भी पूरी तरह प्रदूषण मुक्त नहीं किया जा सका है। नदियों में सीवरों और गंदे नालों का पानी बिना शोधित किए न जाने पाए, यह देखने की जिम्मेदारी राज्य सरकारों और उनके नगर निकायों की है, लेकिन वे इसमें कोताही बरत रहे हैं। इसी का नतीजा है कि अभी भी नदियों का प्रदूषण जारी है। इसका कारण यह है कि जहां सीवेज शोधन संयंत्र पूरी क्षमता से काम नहीं कर रहे हैं, वहीं अनेक शहरों के गंदे नाले अभी तक इन संयंत्रों से नहीं जोड़े जा सके हैं। दुनिया के अन्य देशों की तरह अपने देश में भी तमाम शहर नदियों किनारे बसे हुए हैं। समय के साथ नदियों के तट पर आबादी का घनत्व भी बढ़ रहा है। इस आबादी के एक बड़े हिस्से के पास सीवेज सिस्टम नहीं है, क्योंकि वह अनधिकृत कॉलोनियों में अधिक रहती है। इसके अलावा शहरों का जो सीवेज सिस्टम है, वह पुराना पड़ चुका है। समस्या इसलिए भी गंभीर है, क्योंकि सीवेज सिस्टम पर्याप्त क्षमता के नहीं हैं। वे सीवरों का पूरा गंदा पानी शोधित नहीं कर पाते। इसके चलते सीवरों का गैर शोधित पानी सीधे नदियों में जाता है। यह स्थिति महानगरों में भी है। पिछले दिनों दिल्ली में सत्ता बदलने के बाद से यमुना की सफाई पर खूब चर्चा हो रही है। चुनाव में यमुना का प्रदूषण एक राजनीतिक मुद्दा बन गया था। हालांकि आम आदमी पार्टी सरकार भी यमुना को साफ करने की बात करती थी, लेकिन वह नाकाम रही। इसका एक कारण राज्य और केंद्र सरकार का झगड़ा भी रहा। इस झगड़े की वजह से यमुना की सफाई प्राथमिकता नहीं बन सकी। शायद ही कोई दल हो, जो नदियों को प्रदूषण से मुक्त करने की बात न करता हो, लेकिन इसके बाद भी वे प्रदूषित बनी हुई हैं। यह राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी को दर्शाता है। नदियों के प्रदूषित होने का एक बड़ा कारण नगर नियोजन से संबंधित नौकरशाही का नकारापन भी है। नौकरशाही ने नदियों किनारे होने वाली अनियोजित बसाहट को रोकने में उदासीनता का ही परिचय दिया है। उन्होंने इसे लेकर सरकारों को आगाह भी नहीं किया। नदियों के प्रदूषण में नौकरशाही की भूमिका पर कभी कोई ठोस चर्चा नहीं हुई। अच्छा हो कि सरकार इस पर कोई श्वेतपत्र लाए कि नदियां क्यों प्रदूषित हैं? श्वेतपत्र में इसका भी उल्लेख किया जाए कि जब नदियों किनारे बसाहट हो रही था, तब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी बढ़ती आबादी के लिए उपयुक्त सीवेज सिस्टम का निर्माण क्यों नहीं करा रहे थे यदि यह मान लिया जाए कि पहले इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आखिर इसका क्या मतलब कि अब भी ध्यान न दिया जाए। एक ऐसे समय जब केंद्र के साथ राज्य सरकारों की ओर से नदियों को साफ करने के दावे किए जा रहे हैं, तब सीवेज सिस्टम में सुधार न हो पाना, गंदे नालों का सीवेज शोधन संयंत्रों से न जुड़ पाना और इन संयंत्रों का पूरी क्षमता से काम न कर पाना चकित करता है। अरबों रुपये सीवेज व्यवस्था को दुरुस्त करने में खर्च किए जा चुके हैं, पर यही तथ्य बार-बार सामने आता है कि यह व्यवस्था अपर्याप्त और असंतोषजनक है। सीवेज व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए बनाए गए कई सीवेज शोधन संयंत्र एक-दो साल चलने के बाद ही बंद हो जाते हैं।आज उन अनेक शहरों की सीवेज व्यवस्था सही तरह काम कर रही है, जिनका निर्माण अंग्रेजों ने कराया था, लेकिन हमारे इंजीनियर हर किस्म के आधारभूत ढांचे का निर्माण इस तरह करते हैं कि वह दो-चार साल में ही कमजोर पड़ जाता है या अपर्याप्त साबित हो जाता है।नदियों में प्रदूषण केवल सीवेज सिस्टम की खराबी से ही नहीं होता, बल्कि उद्योगों के अपशिष्ट जल से भी होता है। गंभीर बात यह है कि तमाम उद्योग अपने विषाक्त जल को शोधित करने के बजाय उसे रिवर्स बोरिंग कर जमीन में समाहित कर देते हैं। यह अपराध है, लेकिन उस पर रोक इसलिए नहीं लग रही है, क्योंकि प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के अधिकारी ऐसे उद्योगों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई नहीं करते।इसका नतीजा यह है कि उद्योग जानबूझकर भूजल को दूषित कर रहे हैं। यह दूषित जल भूगर्भ जल को विषैला करता है और अनेक बीमारियों का कारण बनता है। पंजाब में कैंसर के मामले बढ़ने के पीछे भूमिगत जल के प्रदूषण को ही माना जा रहा है। नदियों को प्रदूषण मुक्त करने वाली व्यवस्था तब सुधरेगी, जब शासन-प्रशासन के साथ आम जनमानस भी सचेत होगा।सरकारी कर्मचारी और विशेष रूप से इंजीनियरों पर यह दारोमदार होता है कि वे बेहतर इंजीनियरिंग और गुणवत्ता वाले निर्माण कराएं, लेकिन इसमें शिथिलता ही देखने को मिलती है। यह किसी से छिपा भी नहीं, लेकिन इसके बाद भी इंजीनियरों को जवाबदेह बनाने और उन्हें उनके घटिया निर्माण के लिए दंडित करने का काम नहीं हो पा रहा है।

हाथी पर सवार होकर आ रही मां आपके द्वार, बरसेगी मां भगवती की कृपा

30 मार्च से चैत्र नवरात्र की शुरुआत होने जा रही है. नवरात्र 30 मार्च से लेकर 6 अप्रैल तक रहेंगे. इस साल मैय्या रानी के नवरात्र रविवार से शुरू हो रहे हैं, इसलिए माता हाथी पर सवार होकर आएंगी. शास्त्रों में देवी की हाथी की पालकी को बहुत शुभ माना गया है. **आचार्य पंडित सुधांशु तिवारी (प्रश्न कुण्डली विशेषज्ञ/ ज्योतिषाचार्य)** नवरात्र का शुभारंभ प्रतिपदा तिथि पर घटस्थापना यानी कलश स्थापना के साथ होता है. नवरात्र की घटस्थापना में देवी मां की चौकी लगाई जाती है और 9 दिनों तक मैय्या के 9 अलग-अलग स्वरूपों की उपासना की जाती है. कलश को भगवान विष्णु का प्रतीक माना जाता है. मां दुर्गा की पूजा करने से पहले कलश की पूजा की जाती है. नवरात्र में मां दुर्गा के 9 स्वरूपों की विधि-विधान से पूजा की जाती है. सालभर में कुल 4 नवरात्र आती हैं जिसमें चैत्र और शारदीय नवरात्र का महत्व काफी ज्यादा होता है. माना जाता है कि नवरात्र में माता की पूजा-अर्चना करने से देवी दुर्गा की खास कृपा होती है. मां दुर्गा की सवारी वैसे तो शेर है लेकिन जब वह धरती पर आती हैं तो उनकी सवारी बदल जाती है और इस बार मां दुर्गा घोड़े पर सवार होकर धरती पर आएंगी. **चैत्र नवरात्रि की तिथि** चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरुआत 29 मार्च को शाम 4 बजकर 27 मिनट से होगी और तिथि का समापन 30 मार्च को दोपहर 12 बजकर 49 मिनट पर होगा. उदयातिथि के अनुसार, चैत्र नवरात्र रविवार, 30 मार्च 2025 से ही शुरू होने जा रही है. **चैत्र नवरात्र घटस्थापना मुहूर्त** घटस्थापना का मुहूर्त- 30 मार्च को सुबह 6 बजकर 13 मिनट से लेकर सुबह 10 बजकर 22 मिनट तक रहेगा, जिसकी अवधि 4 घंटे 8 मिनट की रहेगी. अगर आप मुहूर्त में कलशस्थापना न कर पाएं तो अभिजीत मुहूर्त में भी घटस्थापना कर सकते हैं. अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 01 मिनट से लेकर 12 बजकर 50 मिनट तक रहेगा. **चैत्र नवरात्र पूजन विधि** घट अर्थात मिट्टी का घड़ा. इसे नवरात्र के पहले दिन शुभ मुहूर्त के हिसाब से स्थापित किया जाता है. घट को घर के ईशान कोण में स्थापित करना चाहिए. घट में पहले थोड़ी सी मिट्टी डालें और फिर जौ डालें. फिर इसका पूजन करें. जहां घट स्थापित करना है, उस स्थान को साफ करके वहां पर एक बार गंगा जल छिड़ककर उस जगह को शुद्ध कर लें. उसके बाद एक चौकी पर लाल कपड़ा बिछाएं. फिर मां दुर्गा की तस्वीर स्थापित करें या मूति. 'अब एक तांबे के कलश में जल भरें और उसके ऊपरी भाग पर लाल मौली बांधें. उस कलश में सिक्का, अक्षत, सुपारी, लौंग का जोड़ा, दूर्वा घास डालें. अब कलश के ऊपर आम के पत्ते रखें और उस नारियल को लाल कपड़े से लपेटकर रखें. कलश के आसपास फल, मिठाई और प्रसाद रख दें. फिर कलश स्थापना पूरी करने के बाद मां की

पूजा करें. **चैत्र नवरात्र घटस्थापना सामग्री** हल्दी, कुमकुम, कपूर, जनेऊ, धूपबत्ती, निरांजन, आम के पत्ते, पूजा के पान, हार-फूल, पंचामृत, गुड़ खोपरा, खारीक, बादाम, सुपारी, सिक्के, नारियल, पांच प्रकार के फल, चौकी पाट, कुश का आसन, नैवेद्य आदि. कौन सी तिथि का क्षय हो रहा है पंचमी तिथि का क्षय होने से इस बार नवरात्रि 9 दिन की बजाय 8 दिन की होगी। इस नवरात्रि को चैत्र इसलिए कहा जाता है क्योंकि यह चैत्र माह में आती है। चैत्र नवरात्रि के अलावा इसे वासंतिक नवरात्रि भी कहते हैं। इस बार 31 मार्च को द्वितीया तिथि सुबह 9:12 मिनट तक रहेगी। इसके बाद तृतीया तिथि लग जाएगी जो 1 अप्रैल को सुबह लगभग 5 बजकर 45 मिनट तक रहेगी। यानि तृतीया तिथि का क्षय होगा। इसलिए 31 मार्च को माता ब्रह्माचारिणी और चंद्रघंटा की पूजा की जाएगी। **चैत्र नवरात्रि और नव संवत्सर** नवरात्र में माँ दुर्गा के 9 स्वरूपों की पूजा तो होती ही है, साथ ही चैत्र शुक्ल प्रतिपदा यानी प्रथम तिथि से ही हिंदू नव वर्ष का प्रारंभ भी होता है, जिसे हिंदू नव संवत्सर कहा जाता है। चैत्र नवरात्रि के शुक्ल पक्ष के प्रथम तिथि से विक्रम संवत का शुभारंभ होता है। जिसके आधार पर हमारा सनातन कैलेंडर निर्मित होता है। विक्रम संवत का प्रारंभ उस दिन पर आधारित है कि जब सम्राट विक्रमादित्य ने शकों पर आक्रमण करके उज्जैन नगरी को मुक्त कराया और एक नए युग का शुभारंभ किया। इस दिन उत्तर भारत में नवरात्रि के अलावा दक्षिण भारत में तेलुगु समाज उगादि पर्व मानता है, सौराष्ट्र और मराठवाड़ा में गुड़ी पड़वा पर्व मनाते हैं और सिंधी समाज वाले भगवान झूलेलाल जयंती अथवा चेटी चंड नामक पर्व मनाते हैं। **चैत्र नवरात्रि 2025-माता के भोग और वस्त्र** देवी माता को प्रसन्न करने हेतु हम भक्त उनके प्रिय भोग के साथ उनके मनपसंद रंग के श्रृंगार और वस्त्रो का भेंट देते हैं तो हमें उनकी विशिष्ट कृपा की प्राप्ति होती है। नवरात्रि की नौ देवियों को उनके पसंद के रंगों के वस्त्र तथा भोग निम्न प्रकार से भेंट करें। माता शैलपुत्री को नारंगी रंग प्रिय है अतः उन्हें नारंगी रंग के वस्त्र, चूड़ी, बिंदी, मिष्टान्न , फल, पुष्प इत्यादि भेंट करें। माता ब्रह्मचारिणी को श्वेत रंग प्रिय है, अतः उन्हें श्वेत रंग के वस्त्र, मिष्ठान, पुष्प इत्यादि भेंट करें। माता चंद्रघंटा को लाल रंग के वस्त्र, चूड़ी बिंदी आदि श्रृंगार, लाल रंग के पुष्प, फल और मिष्टान्न भेंट करिये। माता कुष्मांडा को आसमानी रंग प्रिय है। उन्हें आसमानी रंग के वस्त्र, चूड़ी, बिंदी , नीले रंग के पुष्प और मीठे पुए चढ़ाएं। माता स्कंदमाता को गुलाबी रंग पसंद है। अतः उन्हें गुलाबी रेशमी वस्त्र, चूड़ी बिंदी आदि श्रृंगार, गुलाब के पुष्प और हलवा चढ़ाएं।माता कात्यायनी को पीला रंग पसंद है। अतः उन्हें पीले रंग के वस्त्र, आभूषण, चूड़ी बिंदी आदि श्रृंगार, पीले फल और फूल भेंट करें। माता कालरात्रि को गहरा नीला रंग का रेशमी वस्त्र, चूड़ी बिंदी आदि श्रृंगार, इत्र, गाढ़े नीले रंग का पुष्प भेंट करें। और तली हुए मीठी पूड़ी अथवा उड़द की इमरती का भोग लगाएं। माता महागौरी को बैंगनी रंग प्रिय है, अतः उन्हें बैंगनी रंग के वस्त्र, चूड़ी और बिंदी चढ़ाएं। बैंगनी रंग के ही पुष्पों से श्रृंगार करें। और भोग में हलवा, पूरी और चना का भोग लगाएं। माता सिद्धिदात्री सतरंगी रंग पर प्रसन्न होती हैं। उन्हें सतरंगी रंग के रेशमी वस्त्र, श्रृंगार और आभूषण इत्यादि भेंट करें। रंग-बिरंगे पुष्प और नारियल के साथ हलवा, पूरी, खीर इत्यादि का भोग लगाएं। इस प्रकार नवरात्रि में यदि हम तन मन को शुद्ध रखकर पूरी आस्था और भक्ति के साथ माता की पूजा-उपासना करें, तो न केवल हमारे तन मन की शुद्धि होती है, बल्कि माता की आध्यात्मिक ऊर्जा और असीम कृपा की प्राप्ति होती है। **माता दुर्गा के हाथी वाहन का महत्व** ज्योतिष नियमों के मुताबिक़, नवरात्रि की शुरुआत और समाप्ति के दिन के आधार पर ही माता दुर्गा का वाहन तय होता है। इस बार की नवरात्रि रविवार से शुरू होकर सोमवार पर समाप्त हो रही है। नियम अनुसार रविवार को आगमन और सोमवार को प्रस्थान से आशय है, मां दुर्गा हाथी की सवारी पर होंगी। भागवत पुराण में भी मां की हाथी सवारी को बेहद शुभ माना गया है। यह वाहन सुख, समृद्धि, शांति और आर्थिक तरक्की का प्रतीक है। बताया जाता है कि, जब भी माता हाथी पर आती है तो देश में अच्छी बारिश होने की प्रबल संभावना होती है। इससे फसल अच्छी होती है और धन-धान्य के भंडार भरते है। **कैसे तय होता है माता का वाहन** 1- अगर नवरात्रि रविवार या सोमवार से शुरू और खत्म होती है, तो माता का वाहन हाथी होता है। यह सुख, समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक है। 2- अगर नवरात्रि मंगलवार या शनिवार से शुरू और ख़त्म होती है, तो माता की सवारी घोड़ा होती है। यह संघर्ष और उथल-पुथल का संकेत होता है। 3-अगर नवरात्रि गुरुवार या शुक्रवार से शुरू और खत्म होती है, तो माता की सवारी पालकी होती है। यह अस्थिरता और चुनौतियों का संकेत होता है। 4-अगर नवरात्रि बुधवार से शुरू और खत्म होती है, तो माता की सवारी नौका होती है। यह आपदा से मुक्ति और जीवन में शांति का संकेत है। **नवरात्रि में माँ दुर्गा के नौ स्वरूप** नवरात्रि के नौ दिनों में देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों 1. माँ शैलपुत्री, 2. माँ ब्रह्मचारिणी, 3. माँ चंद्रघंटा, 4. माँ कूष्मांडा, 5. माँ स्कंदमाता, 6. माँ कात्यायनी, 7. माँ कालरात्रि, 8. माँ महागौरी, 9. माँ सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। माँ शैलपुत्रीः माता दुर्गा के नौ रूपों में से प्रथम रूप देवी शैलपुत्री का है जो चंद्रमा का दर्शाती हैं। देवी शैलपुत्री के पूजन से चंद्रमा से जुड़ें दोषों का निवारण होता हैं। माँ ब्रह्मचारिणीः ज्योतिषीय दृष्टिकोण से माँ ब्रह्मचारिणी द्वारा मंगल ग्रह को नियंत्रित किया जाता हैं। माता के पूजन से मंगल ग्रह के नकारात्मक प्रभाव दूर होते हैं। माँ चंद्रघंटाः देवी दुर्गा का तीसरा स्वरूप देवी चंद्रघण्टा शुक्र ग्रह को नियंत्रित करने का कार्य करती हैं। इनके पूजन से शुक्र ग्रह के दुष्प्रभाव कम होते हैं। माँ कूष्मांडाः भगवान सूर्य का पथ प्रदर्शन करती हैं देवी कुष्मांडा, इसलिए इनकी पूजा द्वारा सूर्य के अशुभ प्रभावों से बचा जा सकता है। माँ स्कंदमाताः देवी स्कंदमाता की पूजा से बुध ग्रह सम्बंधित दोष और नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं। माँ कात्यायनीः माता कात्यायनी के पूजन से बृहस्पति ग्रह से जुड़ें दुष्प्रभावों का निवारण होता हैं। माँ कालरात्रिः शनि ग्रह को माता कालरात्रि नियंत्रित करती हैं और इनकी पूजा से शनि देव के अशुभ प्रभाव दूर होते हैं। माँ महागौरीः माँ दुर्गा का अष्टम स्वरूप देवी महागौरी की पूजा से राहु ग्रह सम्बंधित दोषों का निदान होता है। माँ सिद्धिदात्रीः देवी सिद्धिदात्री द्वारा केतु ग्रह को नियंत्रित किया जाता हैं और इनके पूजन से केतु के बुरे प्रभावों का निवारण होता हैं। **नवरात्रि से जुडी पौराणिक कथा** पौराणिक ग्रंथों में वर्णित कथा के अनुसार, महिषासुर नाम का राक्षस ब्रह्माजी का परम भक्त था। उसने अपनी कठिन तपस्या से ब्रह्माजी को प्रसन्न करके वरदान प्राप्त किया था कि कोई देव, दानव या पृथ्वी पर रहने वाला कोई मनुष्य उसको मार नहीं सकता था। ब्रह्मा जी से वरदान मिलने के बाद ही महिषासुर बहुत क्रूर और निर्दयी हो गया, तीनों लोकों में उसने आंतक मचा दिया। उसके आंतक से परेशान होकर देवी-देवताओं ने ब्रह्मा जी, विष्णु जी और महादेव के साथ मिलकर मां शक्ति से सहायता प्रार्थना की तब संसार को अत्याचार से मुक्त करने के लिए देवी दुर्गा प्रकट हुई जिसके बाद मां दुर्गा और महिषासुर के बीच नौ दिनों तक भयंकर युद्ध हुआ और अंत में दसवें दिन माता दुर्गा ने महिषासुर का संहार कर दिया। उस दिन से ही युद्ध के नौ दिनों को बुराई पर अच्छाई की विजय के पर्व के रूप में मनाया जाता है। वैदिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान श्रीराम ने लंका पर आक्रमण करने से पहले,सर्वप्रथम रामेश्वरम में समुद्र के किनारे नौ दिनों तक देवी दुर्गा की पूजा की थी। लंकापति रावण से युद्ध में विजय प्राप्त करने की कामना से शक्ति की देवी मां भगवती का पूजन किया था। श्रीराम की भक्ति से प्रसन्न होकर मां दुर्गा ने उन्हें युद्ध में विजय प्राप्ति का आशीर्वाद दिया था, जिसके बाद भगवान राम ने लंकापति रावण को युद्ध में पराजित कर उसका वध किया था, साथ ही लंका पर विजय प्राप्त की थी, उस समय से ही नौ दिनों को नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। लंका पर विजय प्राप्त करने के दिन को दशहरे के रूप में मनाया जाता है।

बॉलीवुड/टेली मसाला

'सिकंदर' की रिलीज से पहले सलमान ने संजय दत्त को लेकर किया बड़ा एलान, एक साथ नजर आएंगे दोनों दोस्त

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सलमान खान ने मुंबई में एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने ये ऐलान संजय दत्त को लेकर किया है। सलमान खान ने 'सिकंदर' फिल्म रिलीज से पहले बड़ा ऐलान किया है। सलमान खान ने ऐलान किया है कि वह 'चल मेरे भाई' के एक्टर संजय दत्त के साथ जल्द ही बड़े पर्दे पर वापसी करेंगे। हालांकि, सलमान खान ने फिल्म का नाम नहीं बताया है। सलमान और संजय दोनों साथ काम करेंगे, फैंस के लिए यही बड़ी बात है। वहीं, भाईजान ने एटली के साथ फिल्म में देरी की बताई यह वजह। बुधवार को मुंबई में एक प्रेस कांफ्रेंस में सलमान खान ने संजय दत्त के साथ फिल्म करने का ऐलान किया। सलमान खान ने कहा कि फिल्म का अधिकारिक तौर पर बाद में ऐलान किया जाएगा। हालांकि मीडिया ने सलमान खान से कई बार इस फिल्म का नाम पूछा। इस पर सलमान खान ने कहा 'फिल्म देहाती और उच्च स्तर की होगी।' सलमान खान ने फिल्म की कहानी के बारे में भी कुछ नहीं कहा है। सलमान खान ने बताया कि एटली के साथ उनकी फिल्म में देरी की सबसे बड़ी वजह है बजट। अभिनेता ने कहा उन्होंने बहुत बड़े बजट की एक्शन फिल्म लिखी है, इसके डिले का कारण सिर्फ पैसा है। साथ ही उन्होंने 'रामायण' का उदाहरण देते हुए कहा कि वो नार्थ और साउथ दोनों के कलाकारों को कास्ट करते हैं, जिससे उनकी फिल्में

चल सके। अभिनेता ने कहा कि जब उनकी फिल्म साउथ में रिलीज होगी, तो उनके दर्शक फिल्में नहीं देखने जाते। इसके अलावा अभिनेता ने कहा कि अगर हिन्दी फिल्मों के पास 20-30 हजार सिनेमाघर होते तो, हम हॉलीवुड को पीछे छोड़ देते। प्रेस कांफ्रेंस में सलमान खान ने बताया कि उनके पास दो फिल्में हैं। इसमें से एक फिल्म निर्माता 'सूरज बड़जात्या' के पास है। इन्होंने सलमान खान के साथ कई यादगार फिल्में बनाई हैं। सलमान ने कहा कि बड़जात्या की फिल्म अगली फिल्म हो सकती है जो रिलीज होगी आपको बता दें कि सलमान खान और संजय दत्त ने 'साजन', 'दस' और 'चल मेरे भाई' जैसी फिल्मों में काम किया है। दोनों एक्टर अपनी ऑन-स्क्रीन दोस्ती के साथ-साथ ऑफ-स्क्रीन दोस्ती के लिए जाने जाते हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि जब 'सिकंदर' सिनेमाघरों में रिलीज होगी तो संजय दत्त की अगली फिल्म 'द भूतनी' का ट्रेलर इसमें जोड़ा जायेगा। आपको बता दें कि सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' 30 मार्च यानी ईद पर सिनेमा घरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म का निर्देशन ए आर मुरुगदास ने किया है। फिल्म में रश्मिका मंदाना, काजल अग्रवाल, शर्मन जोशी, प्रतीक बब्बर और सत्यराज हैं।

'छावा' के आगे नहीं टिक रहीं फिल्में, जानिए 'द डिप्लोमैट' और 'तुमको मेरी कसम' की कमाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कई नई फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद भी बॉक्स ऑफिस पर 'छावा' ने अपना दबदबा बनाए रखा है। आइए जानते हैं विक्की कौशल की फिल्म समेत 'द डिप्लोमैट' और 'तुमको मेरी कसम' के कलेक्शन के बारे मेंविक्की

कौशल की फिल्म 'छावा' का दबदबा बॉक्स ऑफिस पर रिलीज के 40 दिनों बाद भी जारी है। 14 मार्च को सिनेमाघरों में जॉन अब्राहम की फिल्म 'द डिप्लोमैट' ने दस्तक दिया। इस बीच 21 मार्च को 'तुमको मेरी कसम' नाम की फिल्म ने भी सिनेमाघरों का रुख किया, लेकिन ये सभी नई रिलीज फिल्में 'छावा' को कलेक्शन के मामले में टक्कर नहीं दे पाईं। आइए जानते हैं इन फिल्मों ने बुधवार को कितना कलेक्शन किया अनुपम खेर, इश्वाक सिंह, अदा शर्मा, एशा देओल, मेहरान माजदा, सुशांत सिंह और दुर्गेश कुमार जैसे कई कलाकारों से सजी फिल्म 'तुमको मेरी कसम' शुक्रवार, 21 मार्च 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। 20 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म ने पहले दिन महज 15 लाख रुपये की कमाई की। बुधवार को फिल्म को रिलीज हुए छह दिन हो गए और फिल्म ने छठे दिन महज नौ लाख रुपये का कलेक्शन किया है। फिल्म के कुल कलेक्शन की बात करें तो अब तक यह 1.06 करोड़ का कलेक्शन किया है। होली पर जॉन अब्राहिम की फिल्म 'द डिप्लोमैट' रिलीज हुई। फिल्म के लिए अच्छी बात यह है कि हफ्ते भर बाद इसने अपना बजट निकाल लिया है और अब यह धीमी रफ्तार के साथ मुनाफे की कमाई करने की ओर बढ़ रही है। वीकएंड पर फिल्म की कमाई में उछाल दर्ज किया गया था, लेकिन सोमवार को इसकी कमाई लाखों रुपये में ही सिमट गई। अब मंगलवार को यानी 12वें दिन फिल्म ने 80 लाख रुपये की कमाई की। बुधवार को फिल्म ने 75 लाख रुपये का कारोबार किया है।विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'छावा' पहले दिन से ही सिनेमाघरों में और बॉक्स ऑफिस पर छाई हुई है। इस बीच कई सारी फिल्में रिलीज हुईं और सिनेमाघरों को अलविदा भी कह गईं, लेकिन लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी 'छावा' ने पिछले 41 दिनों से अपने पांव जमा रखे है। हालांकि, इस बीच फिल्म की कमाई में उतार चढ़ाव देखने को भी मिला। फिल्म के बुधवार यानी 41वें दिन के कलेक्शन की बात करें तो इसने 1.40 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। फिल्म की कुल कमाई अब तक 587.75 करोड़ रुपये हुई है।

घर के अंदर अवनीत कौर ने दिखाए डांस मूव्स

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अवनीत कौर ने सोशल मीडिया पर एक डांस वीडियो शेयर किया है। ये डांस वीडियो काफी वायरल हो रहा है। आप भी देखें।अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वह अपनी बेहतरीन तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। हाल ही

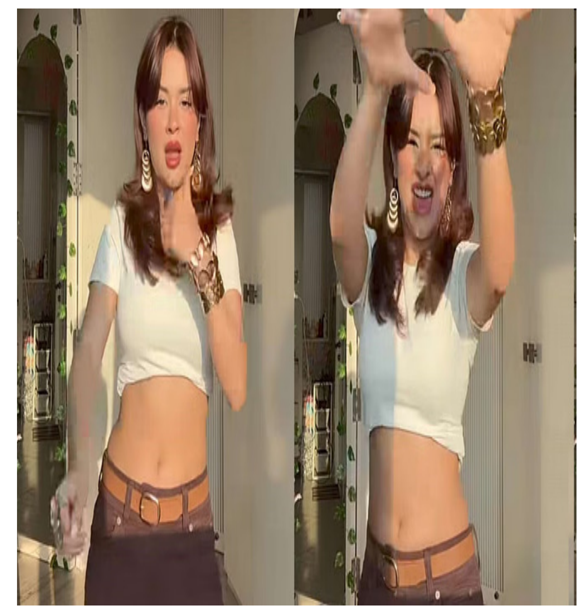

में अवनीत कौर ने सोशल मीडिया पर अपनी बेहतरीन डांस वीडियो शेयर की है। इस वीडियो को उनके फैंस खूब लाइक कर रहे हैं और इस पर कमेंट भी कर रहे हैं। अवनीत कौर ने अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल से जो वीडियो शेयर की है उसमें उन्होंने बेहतरीन डांस किया है। अवनती के हुक स्टेप काफी अच्छे हैं। डांस करते हुए अवनीत कौर काफी खुश लग रही हैं और वह चेहरे से बेहतरीन एक्सप्रेशन दे रही हैं। अवनीत के वीडियो पर कई यूजर्स ने कमेंट किए हैं। अवनीत कौर की डांस वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा 'आपके डांस का इंतजार कर रहा था।' एक दूसरे यूजर ने लिखा है 'आपने तो हमें मार ही दिया।' एक यूजर ने कमेंट किया है कि 'आपको मूव बहुत अच्छे हैं।' हाल ही में एक इंटरव्यू में अवनीत कौर ने बताया कि जब वह 12 साल की थीं तब एक निर्देशक ने उन्हें बहुत कठिन शब्दों वाला एक पेज पढ़ने के लिए दिया। जब वह इसे नहीं पढ़ पाईं तो उन्होंने उन्हें डांटा और गाली भी दी। इसके बाद निर्देशक ने अवनीत से कहा था कि वह कभी भी कुछ नहीं कर पाएंगी। इंडस्ट्री में कभी तरक्की नहीं कर पाएंगी। हालांकि अवनीत ने साल 2010 में एक डांस शो 'डांस इंडिया डांस, लिटिल मास्टर्स' से अपने करियर की शुरूआत की। इसके बाद वह 2012 में 'मेरी मां' शो में आईं। इसके बाद वो कई टीवी सीरियल्स में दिखाई दीं। उन्होंने रानी मुखर्जी की फिल्म 'मर्दानी' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इसके बाद अवनीत 2023 में आई फिल्म 'टीकू वेड्स शेरू' में अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ पहली बार प्रमुख भूमिका में नजर आईं।

सलमान खान इसलिए करना चाहते हैं अनन्या और जाह्नवी के साथ काम, उम्र के अंतर पर दिया बयान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।सलमान खान ने कहा है कि वह अनन्या पांडे और जाह्नवी कपूर के साथ काम करना चाहते हैं। लेकिन लोग उम्र का अंतर बताकर इस काम मुश्किल बना देंगे।बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान, इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'सिकंदर' का प्रमोशन कर रहे हैं। सलमान ने युवा अभिनेत्रियों के साथ अपनी फिल्मों को लेकर हो रही चर्चाओं पर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि वह अनन्या पांडे और जाह्नवी कपूर के साथ काम करना चाहेंगे, लेकिन लोग उनके बीच उम्र के अंतर को लेकर उनकी आलोचना करेंगे। बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, सलमान ने उम्र के अंतर पर खुलकर बात की और कहा कि वह युवा अभिनेत्रियों के साथ केवल उन्हें बड़ा मंच और मौका देने के लिए काम करते हैं। उन्होंने कहा, 'अगर मैं अनन्या या जाह्नवी के साथ काम करना चाहता हूं, तो लोग मेरे लिए

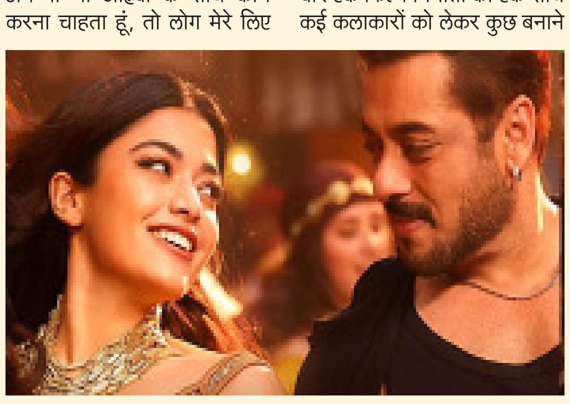

इसे मुश्किल बना देते हैं क्योंकि तब वे उम्र के अंतर के बारे में बात करते हैं। इसके बावजूद, मैं उनके साथ काम करना जारी रखूंगा।इसी बातचीत के दौरान सलमान खान ने यह भी बताया कि कैसे उन्होंने एक बार एक फिल्म निर्माता को एक साथ कई कलाकारों को लेकर कुछ बनाने का सुझाव दिया था, लेकिन मौजूदा पीढ़ी के सभी अभिनेताओं ने एक-दूसरे के साथ काम करने से इनकार कर दिया था। सलमान के बताया ठसभी बहुत हैरत में पड़ गए। हम मल्टी-कास्ट फिल्में करने में सहज थे क्योंकि हमारे लिए यह ऐसा था कि हमारे सभी प्रशंसक एक साथ मिलकर फिल्म को हिट बनाते। हमने एक साथ 100-200 दिन काम किया बहरहाल सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' 30 मार्च यानी कि ईद के मौके पर रिलीज होने वाली है। फिल्म में रश्मिका मंदाना हैं। फिल्म के ट्रेलर के लॉन्च के मौके पर सलमान खान ने उम्र के गैप के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा था ठसोशल मीडिया वाले आज कल पीछे पड़ जाते हैं। अब लोग कह रहे हैं कि अभिनेत्री और मुझमें 31 साल का गैप है। अरे जब अभिनेत्री को दिक्कत नहीं है। अभिनेत्री के पिता को दिक्कत नहीं है, तो तुमको क्यों दिक्कत है? कल जब उसकी शादी हो जाएगी और उसके बच्चे होंगे और बड़ी स्टार बन जाएगी, इसके बावजूद वह काम करना जारी रखेगी।

'छोरी 2 ' के सेट पर चोटिल हुई नुसरत की आंख, लगे थे दो टांके; करीना-माधुरी पर कही ये बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आईफा अवॉर्ड 2025 में अमर उजाला ने नुसरत भरुचा से खास बातचीत की। इस मौके पर

एक्ट्रेस ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'छोरी 2' के बारे में कई दिलचस्प खुलासे किए।नुसरत भरुचा की फिल्म 'छोरी 2' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। फिल्म में वो एक बार फिर से सभी को डराती नजर आ रही हैं। बीते दिनों जयपुर में हुए 25वें आईफा अवॉर्ड्स 2025 में नुसरत ने अमर उजाला के साथ खास बातचीत में इस फिल्म को लेकर अपडेट दी थी। फिल्म के अलावा उन्होंने और भी कई दिलचस्प बातें शेयर कीं। सबसे पहले नुसरत ने आईफा अवॉर्ड में शामिल होने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि जब किसी फिल्म को सिनेमाघरों में 25 हफ्ते पूरे हो जाते हैं तो हम सिल्वर जुल्बी मानते हैं, आईफा को तो 25 साल हो गए हैं। यह बहुत बड़ी बात है। यह एक मील का पत्थर है और मुझे खुशी है कि मैं आईफा का हिस्सा हूं। आगामी फिल्म 'छोरी 2' के बारे में पूछे जाने पर नुसरत ने अपनी शूटिंग का अनुभव साझा किया, जो उनके लिए बेहद खतरनाक भी रहा। उन्होंने कहा, 'छोरी 2 की शूटिंग का अनुभव बहुत खतरनाक रहा, क्योंकि इस दौरान मैंने जो किया, मुझसे जो करवाया गया, मुझ पर जो बीती है, वो मैं आपको बता भी नहीं सकती।' नुसरत ने बताया कि वह सेट पर घायल भी हो गई थीं। यह किस्सा साझा करते हुए उन्होंने कहा, 'शूटिंग के दौरान सेट पर आंख के पास चोट लग गई थी और दो टांके भी आए थे। खून भी बहा था, लेकिन मजा बहुत आया, शूटिंग करने में अच्छा लगा। छोरी फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है और अब छोरी 2 भी दिल के करीब हो गई है।आईफा अवॉर्ड को लेकर नुसरत ने आगे बताया कि वो करीना कपूर और माधुरी दीक्षित की परफॉर्मेंस देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। इसके साथ ही उन्होंने आईफा के साथ शुरू हुए अपने सफर के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, 'आईफा के साथ मेरा बेहद यादगार सफर रहा है क्योंकि आईफा ही पहला अवॉर्ड फंक्शन है, जहां मैंने पहली बार परफॉर्म किया था, तब से मैं हर साल यहां आती हूं। मुझे हर साल बहुत प्यार से बुलाया जाता है। मुझे यहां आकर ऐसा नहीं लगता कि मैं किसी अवॉर्ड फंक्शन में आई हूं, बल्कि मुझे लगता है कि मैं फिल्म इंडस्ट्री के बड़े गेट टुगेदर में आई हूं।'नुसरत से अवॉर्ड शो के दौरान अन्य सितारों से मुलाकात करने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'आप लोगों को लगता है कि हम लोग अपने को-स्टार से बैक स्टेज मिलते हैं, लेकिन ऐसा है नहीं, क्योंकि जब तक हम जाते हैं, वो कहीं और चले जाते हैं। हां, यहां काम का प्रेशर नहीं होता है और हम खुलकर एंजॉय करते हैं। यहां थोड़ी मौज-मस्ती और मजाक होते हैं तो यहां आकर काफी मजा आता है।जब नुसरत से उनके करियर के दौरान उनका ड्रीम रोल निभाने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मेरा जो ड्रीम रोल था वो मैं कर चुकी हूं और वो 'छोरी' है। मैं अपना ड्रीम रोल दो बार निभा चुकी हूं, एक छोरी में और दूसरा 'छोरी 2' में। इसके साथ नुसरत ने फिल्म के जोनर पर भी बात की उन्होंने कहा कि यह प्योर हॉरर फिल्म है, इसमें कॉमेडी का तड़का नहीं है। हां समाज के लिए एक जरूरी संदेश है। उन्होंने कहा कि 'छोरी 2' बहुत सीरियस फिल्म है, जो वो बोल रही है, वह मुद्दा बड़ा है, जिसके बारे में बात होनी चाहिए। गांव में अभी भी वो चीजें होती हैं, जो होनी नहीं चाहिए तो 'छोरी' में उस मुद्दे के बारे में बात की गई है।

कॉमेडियन कुणाल कामरा के खिलाफ पुलिस सख्त

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कॉमेडियन कुणाल कामरा के खिलाफ पुलिस सख्त नजर आ रही है। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर कथित टिप्पणी करने

के बाद अब उनके पुराने व्यंग्यात्मक टिप्पणियों पर भी जांच शुरू कर दी गई है।मुंबई पुलिस ने कॉमेडियन कुणाल कामरा के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। पुलिस का कहना है कि वह महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर की गई टिप्पणी से पहले के उनके व्यंग की भी पड़ताल कर रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक अगर कुणाल ने किसी राजनेता, अभिनेता या खिलाड़ी पर व्यंग्यात्मक टिप्पणी की होगी तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अभी तक कुणाल कामरा मुंबई पुलिस के संपर्क में नहीं आए हैं। सुबह से लेकर शाम तक इस मामले में कई घटनाएं सामने आईं। मंगलवार को खार पुलिस ने कुणाल को समन जारी किया, जिसमें उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया था। हालांकि, कुणाल के वकील ने सात दिन का समय मांगा, जिसे पुलिस ने ठुकरा दिया। इसके बाद बुधवार को दूसरा समन जारी किया गया।

अफेयर' बनाने के चक्कर में फिर फंसे कार्तिक, श्रीलीला को पता चली असलियत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। हाल ही में एक कार्यक्रम में कार्तिक आर्यन की पीआर टीम ने श्रीलीला की मौजूदगी में उनकी मां से डॉक्टर बहू का सवाल करा दिया। डॉक्टरी की पढ़ाई पूरी कर चुकीं श्रीलीला को अब ये पता चल चुका है कि ये सारा किस्सा पहले से 'स्क्रिप्टेड' था। तीन साल तक लगातार साइमा (साउथ इंडियन इंटरनेशन मूवी अवाड्र्स) जीतकर साउथ सिनेमा में तहलका मचा देने वाली अभिनेत्री श्रीलीला की हिंदी सिनेमा में पहली लीला वैसे तो अभिनेता इब्राहिम अली खान के साथ फिल्म 'सरजमीं' में दिखनी है, लेकिन ये फिल्म कब रिलीज होगी, किसी को पता नहीं। इस बीच निर्देशक अनुराग बसु ने उन्हें अपनी अगली अनाम फिल्म में उन कार्तिक आर्यन की हीरोइन बना लिया, जिनके साथ काम करने को हिंदी सिनेमा की कोई भी नामचीन अभिनेत्री उनके रवैये के चलते तैयार नहीं हो रही।कार्तिक की दो आदतों पर उनके प्रशंसकों की खास निगाह रहती है, एक तो पुरस्कार कैसा भी हो अगर उनको मिल रहा है. तो वह चांद पर भी जा सकते हैं। दूसरा, उनका अपनी फिल्म की हीरोइन से या तो फिल्म शुरू होते ही 'अफेयर' हो जाता है या फिर फिल्म खत्म होते होते 'कट्टी' हो जाती है। 'भूल भुलैया 2' में तब्बू के साथ मामला इतना बिगड़ा था कि दोनों ने फिल्म की रिलीज के दौरान एक साथ मंच पर आने तक से इनकार कर दिया।

मौनी रॉय का नया लुक देख नेटिजन्स हैरान, बोले- फिर से चेहरा बदलवा लिया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।मौनी रॉय को हाल ही में उनके नए लुक में स्पॉट किया गया। इस नए लुक का वीडियो जब सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो उनके फैंस ने तारीफ की, लेकिन नेटिजन्स उन्हें ट्रोल करने से बाज नहीं आए। आइए देखते है अभिनेत्री के नए लुक को लेकर यूजर्स ने क्या रिएक्शन दियाहाल ही में अभिनेत्री मौनी रॉय ने एक इवेंट में शिरकत की। इस दौरान उनके नए लुक ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। वह गाउन में नजर आईं और बालों के लिए उन्होंने बैंग्स लुक चुना। फैंस को उनका यह लुक काफी पसंद आ रहा है। मौनी के इस लुक को देखकर नेटिजन्स ने उन्हें ट्रोल भी करना शुरू कर दिया है। यूजर्स ने उन्हें कहा कि उन्होंने एक और सर्जरी करवाई है। मौन रॉय के नए लुक के वायरल हो रहे वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट किया, ये क्यूट है। सर्जरी की दुकान पूरे चेहरे का डिजाइन बन गया है जैसे बच्चे ड्रॉइंग करते हैं टेढ़ा मेढ़ा वैसे ही डॉक्टर ने भी कुछ आर्टिस्ट कर दिया है। एक अन्य यूजर ने लिखा, फिर से चेहरा बदलवा लिया। एक और नेटिजन्स ने कमेंट किया,सर्जरी करके वाट लगा दी है..पहचान में ही नई है और यह कैसे क्यूट हो सकता है इस इवेंट में मौनी रॉय के साथ सोनम बाजवा और दिशा पाटनी भी थीं। कहा जाता है कि मौनी और दिशा बहुत करीबी दोस्त हैं और उन्हें कई बार साथ में देखा गया है।

सिकंदर' का कुर्ता ही नहीं, सलमान के इन लुक्स का खुमार भी फैंस के सिर चढ़कर बोला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।'सिकंदर' फिल्म से सलमान खान का कुर्ता खूब ट्रेंड कर रहा है। कई जगहों पर तो यह आउट ऑफ स्टाक भी हो गया। आइए जानते हैं इससे पहले उनकी कौन-कौन सी फिल्मों का कौन-कौन सा लुक ट्रेंड किया। सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म के ट्रेलर और गानों ने फैंस की उत्सुकता बढ़ा दिया है। सलमान खान की फिल्म हो और उनके फैंस पर उनके स्टाइल का खुमार ना चढ़े यह थोड़ा मुश्किल है। उनकी पिछली कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों का लुक ट्रेंड हो चुका है। अब 'सिकंदर' के गाने 'जोहराजबीं' में सलमान खान द्वारा पहना गया काला कुर्ता खूब ट्रेंड कर रहा है। हालत ये है कि ईद से पहले ही यह कई जगहों पर आउट ऑफ स्टॉक हो गया है। आज हम सलमान की पिछली फिल्मों से ट्रेंड हुए उनके स्टाइल के बारे में जानेंगे। सलमान की फिल्म 'तेरे नाम' का ट्रेंड तो आज भी कुछ लोगों में देखने को मिल जाता है। साल 2003 में

रिलीज हुई इस फिल्म से सलमान का लुक इस तरह ट्रेंड हुआ कि हर गली मोहल्ले में लगभग दस में से सात या आठ युवा 'तेरे नाम स्टाइल' के बाल में दिख जाते थे। यह तब इतना ज्यादा ट्रेंड में था, जब सोशल मीडिया का जमाना नहीं था। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस लुक ने कितना गहरा प्रभाव उस दौर में युवाओं पर डाला होगा। साल 2009 में सलमान खान की फिल्म 'वांटेड' से भी भाईजान का लुक वायरल हुआ। इस फिल्म से उनका 'ब्रेसलेट' और हेयरस्टाइल को लोगों ने खूब कॉपी किया। युवाओं के बीच यह लुक भी खूब वायरल हुआ। आज भी सलमान खान का ब्रेसलेट युवाओं के एक्सेसरीज में शामिल हैं। 'दबंग' फिल्म से सलमान को लोग बॉलीवुड का दबंग स्टार भी कहने लगे। इस फिल्म में उन्होंने एक पुलिस अधिकारी की भूमिका अदा की। फिल्म से सलमान खान के चश्मा रखने का स्टाइल खूब ट्रेंड किया। इस फिल्म में सलमान अपनी शर्ट के पीछे कॉलर पर चश्मा लगाकर रखते थे। फैंस आज भी उनके इस स्टाइल को कॉपी करने से पीछे नहीं हटते। 'एक था टाइगर' में सलमान ने एक बार फिर ट्रेंड सेट किया। इस फिल्म में उनकी 'मस्कुलर बॉडी' ने लोगों को काफी प्रभावित किया। खासकर जैकेट्स और वूलन स्कार्फ (केफिया स्टाइल) का खूब ट्रेंड किया। इस फिल्म में सलमान ने टी-शर्ट के उपर शर्ट पहना, उनके इस स्टाइल को भी लोगों ने कॉपी किया। साथ ही फिल्म से चेक शर्ट को भी काफी पसंद किया गया था। सलमान की फिल्म 'सिकंदर' 30 मार्च को रिलीज हो रही है। अब देखना है इस फिल्म से कुर्ते के अलावा और कौन सा उनका स्टाइल ट्रेंड करता है। हॉलीवुड स्टार पियर्स ब्रॉसनन ने हाल ही में कहा है कि वह हैरी पॉटर सीरीज के मशहूर किरदार डंबलडोर को निभाने में रुचि रखते हैं। एक बातचीत में उन्होंने यह भी माना कि अगर उन्हें यह रोल ऑफर किया गया तो वह इसे स्वीकार कर लेंगे।हॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता पियर्स ब्रॉसनन ने हाल ही में यह खुलासा किया है कि उनका हमेशा से सपना रहा है कि वह हैरी पॉटर सीरीज के मशहूर हेडमास्टर डंबलडोर का किरदार निभाएं। 72 साल के हो चुके इस अभिनेता ने कहा कि जैसे-जैसे उनका बालों का रंग सफेद होता जा रहा है वैसे-वैसे जिंदगी के अनुभव उनके चेहरे पर साफ दिखने लगे हैं और अब उनका ध्यान इस महत्वपूर्ण भूमिका पर ज्यादा केंद्रित हो गया है। उन्होंने डेली टेलीग्राफ से बातचीत के दौरान कहा, ठमेरे बाल सफेद हो गए हैं और जीवन के अनुभव अब मेरे चेहरे और कंधों पर साफ दिखने लगे हैं। ऐसा मेरे परिवार में मजाक किया जाता है कि मैं अब डंबलडोर वाली उम्र में प्रवेश करने वाला हूं।

स्पोर्ट्स

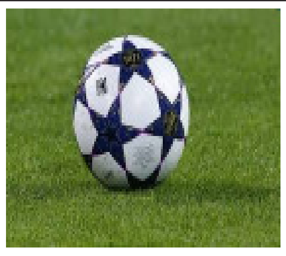

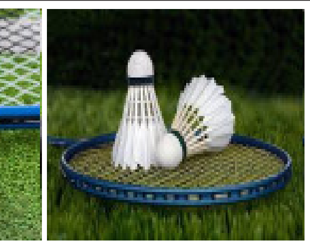

दिल्ली के बल्लेबाज केएल राहुल पहले मैच के लिए नहीं रहे उपलब्ध, जानें अचानक क्यों लिया फैसला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच आईपीएल 2025 के मैच में केएल राहुल नहीं खेल रहे हैं। बताया जा रहा है कि वह रविवार को निजी कारणों का हवाला देकर टीम से हट गए थे। दिल्ली कैपिटल्स के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ आईपीएल 2025 के मुकाबले के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। राहुल पहली बार दिल्ली टीम में शामिल हुए हैं, लेकिन वह टीम के पहले ही मैच में नहीं खेल पाएंगे। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, राहुल निजी कारणों का हवाला देकर घर लौट गए हैं जिस कारण वह इस मैच में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।रिपोर्ट के अनुसार, राहुल ने शनिवार शाम तक टीम के साथ अभ्यास किया था, लेकिन वह रविवार को टीम छोड़कर गए। दिल्ली आईपीएल 2025 में अपने अभियान की शुरुआत अक्षर पटेल की अगुआई में कर रही है। दिल्ली इस बार नए कप्तान और नए कोच के साथ उतरी है। हेमांग बदानी टीम के मुख्य कोच होंगे, जबकि वेणुगोपाल राव क्रिकेट निदेशक और मेंटर केविन पीटरसन हैं। वहीं, दिल्ली के गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल

हैं और सहायक कोच मैथ्यू मॉट हैं। दिल्ली की टीम का प्रबंधन ही बदला हुआ है।दिल्ली की कमान अब तक ऋषभ पंत के हाथों में थी, लेकिन वह अब लखनऊ की कप्तानी करेंगे। पिछले सीजन तक राहुल लखनऊ की कप्तानी कर रहे थे, लेकिन इस बार वह दिल्ली की जर्सी में उतरेंगे। हालांकि, उन्हें दिल्ली की जर्सी में देखने में थोड़ा वक्त लगेगा क्योंकि वह विशाखापत्तनम में हो रहे पहले मैच में नहीं खेल रहे हैं। दिल्ली और लखनऊ की टीमें पिछले सीजन प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी थीं। दिल्ली अंक तालिका में छठे और लखनऊ की टीम सातवें स्थान पर रही थी।

नए कप्तान के साथ विजयी शुरुआत करने उतरेगी पंजाब, सामने होगी गुजरात की चुनौती'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। गुजरात जाएंट्स और पंजाब किंग्स की टीम मंगलवार को आईपीएल 2025 में अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। पंजाब की टीम इस बार श्रेयस अय्यर की कप्तानी में उतरेगी। पंजाब किंग्स आईपीएल 2025 में अपने अभियान की शुरुआत गुजरात टाइटंस के खिलाफ करेगी। इन दोनों ही टीमों का प्रदर्शन पिछले सीजन अच्छा नहीं रहा था। गुजरात 2022 सीजन की विजेता रही है, लेकिन पंजाब फ्रेंचाइजी ने कभी भी आईपीएल का खिताब नहीं जीता है। पंजाब इस बार नए कप्तान के साथ उतरेगी और उसकी कोशिश विजयी शुरुआत करने की होगी। पंजाब ने श्रेयस अय्यर को टीम का कप्तान बनाया था जिनके नेतृत्व में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने पिछले सीजन खिताब अपने नाम किया था। इस बार श्रेयस के सामने पंजाब को विजेता बनाने की चुनौती होगी। श्रेयस आईपीएल में सफल कप्तानों में गिने जाते हैं। उन्होंने केकेआर को खिताब दिलाने से पहले 2020 सीजन में दिल्ली कैपिटल्स को अपनी कप्तानी में फाइनल में पहुंचाया था, लेकिन टीम उस वक्त विजेता नहीं बन सकी थी। अब उनका लक्ष्य पंजाब का आईपीएल खिताब जीतने का 18 साल लंबा इंतजार खत्म करना होगा। पंजाब उन फ्रेंचाइजी में शामिल है जो करीब आकर भी ट्रॉफी नहीं जीत सकी है। पंजाब आईपीएल 2018 के सेमीफाइनल में पहुंचा था, जबकि उसने 2014 में फाइनल में जगह बनाई थी।

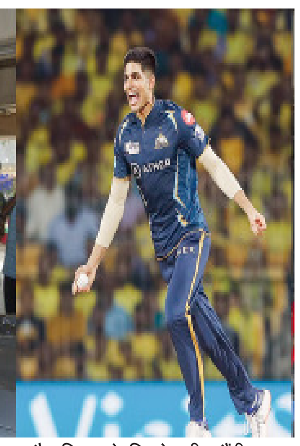

उस वक्त फाइनल में केकेआर ने उसे हराया था, लेकिन पिछले चार वर्षों में पंजाब की टीम शीर्ष पांच में भी जगह नहीं बना सकी है। किंग्स इलेवन पंजाब से पंजाब किंग्स बनने के बावजूद इस टीम को अब भी अपने पहले आईपीएल खिताब का इंतजार है। दूसरी तरफ, भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान शुभमन गिल के लिए गुजरात के कप्तान के तौर पर पिछला सीजन अच्छा नहीं रह था और टीम अंक तालिका में आठवें स्थान पर रही थी। गुजरात ने 2022 में हार्दिक पांड्या की कप्तानी में खिताब जीता था और 2023 में उपविजेता रही थी। लेकिन पिछले गुजरात ने अपना कप्तान बदला और गिल को जिम्मेदारी सौंपी। इस मैच में गिल और अय्यर के बीच जंग देखने मिलेगी जो हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम का हिस्सा थे। दोनों ही बल्लेबाज शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। अय्यर ने जहां भारत की तरफ से टूर्नामेंट में सर्वाधिक 243 रन बनाए, वहीं गिल ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले मैच में शतक ठोका था और आगे भी उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया। अब दोनों खिलाड़ी एक दूसरे के खिलाफ होंगे। गुजरात के पास गिल और इंग्लैंड के जोस बटलर के रूप में आदर्श सलामी जोड़ी है। मध्यक्रम की कमान वेस्टइंडीज के शेरफेन रदरफोर्ड, साई सुदर्शन और मसूद शाहरुख खान के हाथों में होगी, जबकि ऑलराउंडर राशिद खान, राहुल तेवतिया, ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर और महिपाल लोमरोर से योगदान की उम्मीद है। गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज अपना प्रभाव छोड़ना चाहेंगे। तेज गेंदबाजी विभाग में उनके साथ देने के लिए कैगिसो रबाडा, प्रसिद्ध कृष्णा, दक्षिण अफ्रीका के गेराल्ड कोएत्जे और अनुभवी इशांत शर्मा जैसे अच्छे गेंदबाज शामिल हैं। गुजरात के स्पिन विभाग की जिम्मेदारी फिर से राशिद खान निभाएंगे पंजाब की बल्लेबाजी की बात करें तो उसकी बल्लेबाजी मुख्य रूप से कप्तान अय्यर, जोश इंग्लिस, प्रभसिमरन सिंह, मार्कस स्टोइनिस और ग्लेन मैक्सवेल पर निर्भर रहेगी। पंजाब की टीम में अजमतुल्लाह उमरजई, स्टोइनिस, मार्को जानसेन, शशांक सिंह और मुशीर खान जैसे ऑलराउंडर हैं। पंजाब के तेज गेंदबाजी विभाग का नेतृत्व अर्शदीप सिंह करेंगे। उनके अलावा पंजाब के तेज गेंदबाजी विभाग में लॉकी फर्ग्यूसन, कुलदीप सेन और यश ठाकुर शामिल हैं, जबकि लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल और बाएं हाथ के स्पिनर हरप्रीत बरार स्पिन विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे।

नए कप्तानों की अगुआई में अभियान शुरू करेगी लखनऊ और दिल्ली, राहुल-पंत की होगी भिड़ंत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पंत पिछले साल दिल्ली की टीम का हिस्सा थे, लेकिन इस साल लखनऊ की कमान संभालेंगे। वहीं, राहुल पिछले साल लखनऊ के कप्तान थे, लेकिन इस साल दिल्ली की टीम से खेलेंगे। दिल्ली की कप्तानी अक्षर पटेल संभालेंगे। आइए जानते हैं संभावित प्लेइंग-11 क्या होगी...दिल्ली संभालने वाले केएल राहुल इस बार दिल्ली की जर्सी में नजर आएंगे। राहुल इस बार विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर उतरेंगे क्योंकि उनके पास कप्तानी का अतिरिक्त जिम्मा नहीं होगा। भारतीय टीम के दो धुरंधरों राहुल और पंत अब क्रिकेट के मैदान पर आमने-सामने होंगे। कागजों पर दिल्ली की टीम काफी मजबूत नजर आ रही है

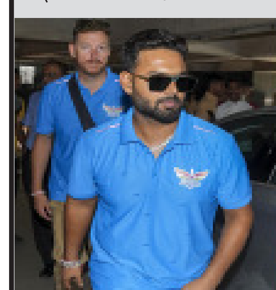
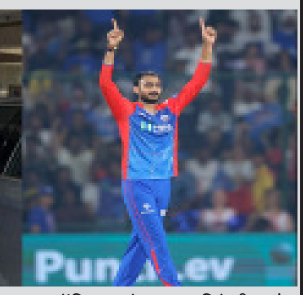

कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीमें नए कप्तान की अगुआई में आईपीएल 2025 में अपने अभियान की शुरुआत करने उतरेंगी। दिल्ली की कमान इस बार अक्षर पटेल संभालेंगे, जबकि लखनऊ की कप्तानी ऋषभ पंत करेंगे। पंत पहली बार दिल्ली कैपिटल्स के अलावा किसी अन्य टीम से खेलेंगे। उन्होंने पिछले सत्र में दिल्ली टीम की कमान संभाली थी, लेकिन उनके सामने अब लखनऊ का जिम्मा संभालने की चुनौती होगी। लखनऊ ने आईपीएल 2025 के लिए हुई मेगा नीलामी में पंत को 27 करोड़ रुपये में खरीदा था जिससे वह आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा कीमत पर बिकने वाले खिलाड़ी बने थे। जाहिर है कि लखनऊ को पंत से काफी उम्मीदें होंगी जो पिछले सीजन प्लेऑफ तक भी नहीं पहुंच सकी थी। दूसरी तरह, तीन सीजन लखनऊ की कमान क्योंकि उसके पास विदेशी और भारतीय खिलाड़ियों का अच्छा संयोजन है। दिल्ली को बल्लेबाजी में जहां फाफ डुप्लेसिस के अनुभव का फायदा मिलेगा, वहीं गेंदबाजी में उसके पास ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क हैं। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले करुण नायर की मौजूदगी में दिल्ली का मध्यक्रम मजबूत नजर आता है जिसमें राहुल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी और आशुतोष शर्मा भी शामिल हैं। दिल्ली की गेंदबाजी इकाई भी मजबूत नजर आ रही है जिसके स्पिन विभाग में भारत के दो अनुभवी स्पिनर अक्षर और कुलदीप यादव शामिल हैं। उसके तेज गेंदबाजी विभाग में स्टार्क के अलावा टी नटराजन, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार और दुशमंत चमीरा शामिल हैं।

28वीं एथलेटिक्स चैंपियनशिप के ट्रायल 28 मार्च को, ऐसे करें अपना रजिस्ट्रेशन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। जिला स्तरीय एथलेटिक खिलाड़ियों का ट्रायल 28 मार्च को अलीगढ़ में होगा। इसमें 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर, 1000 मीटर व 5000 मीटर की दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, ट्रिपल जंप, गोला फेंक, भाला फेंक, डिस्कस थ्रो आदि के खिलाड़ियों का ट्रायल लिया जाएगा।28वीं यूपी स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन आगामी 10 और 11 अप्रैल को बरेली के रुहेलखंड विश्वविद्यालय के स्टेडियम में होगा। इसके लिए जिला स्तरीय एथलेटिक खिलाड़ियों का ट्रायल 28 मार्च को तालानगरी रामघाट रोड के मैदान पर दोपहर एक बजे से होगा।आयोजन सचिव विवेक कुमार ने बताया 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर, 1000 मीटर व 5000 मीटर की दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, ट्रिपल जंप, गोला फेंक, भाला फेंक, डिस्कस थ्रो आदि के खिलाड़ियों का ट्रायल लिया जाएगा। खिलाड़ी की आयु 16 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि खिलाड़ी एथलेटिक्स फेडरेशन आफ इंडिया की वेबसाइट पर अपना रजिस्ट्रेशन कर लें। रजिस्ट्रेशन न होने पर प्रतियोगिता में प्रतिभाग नहीं कर पाएंगे।

क्या आरसीबी के लिए 'ई साला कप नामदे' होगा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। जिस तरह से रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी की टीम शुरुआती दो मैच खेली है, उससे लग रहा है कि इस बार सभी खिलाड़ी चार्ज्ड अप होकर आए हैं। वहीं, चेन्नई ने शानदार आगाज तो किया, लेकिन दूसरे मैच में टीम बेपटरी हो गई है। इस सीजन आगे और भी कई रोमांचक मैच देखने को मिल सकते हैं।आईपीएल 2025 में अब तक आठ मैच खेले जा चुके हैं। शुक्रवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने चेन्नई सुपर किंग्स को उसके घर में 50 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही आरसीबी की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। दो बड़ी जीत के बाद बेंगलुरु का नेट रन रेट भी उछाल पर है। वहीं, चेन्नई के नेट रन रेट को तगड़ा झटका लगा है। 50 रन की बड़ी हार ने उन्हें अंक तालिका में भी नीचे धकेल दिया हैबेंगलुरु के लिए क्या 'ई साला कप नामदे' (इस साल कप हमारा होगा) होगा? यह तो वक्त ही बताएगा। हर साल टूर्नामेंट की शुरुआत में यह कन्नड़ स्लोगन काफी चर्चा में रहता है, लेकिन पिछले 17 सीजन ऐसा हो नहीं सका है। हालांकि, महिला प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत के बाद यह स्लोगन 'ई साला कप नामदू' हो गया था। अब आईपीएल में जिस तरह से नए कप्तान रजत पाटीदार के अंडर यह टीम शुरुआती दो मैच खेली है, उससे लग रहा है कि इस बार सभी खिलाड़ी चार्ज्ड अप होकर आए हैं। टीम ने अपने पहले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स को उनके घर पर हराने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स को भी उसके घर में हराया है। दो बाहरी मैच जीतकर टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है।

पूरन और मार्श की मेहनत पर फिरा पानी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ ने निकोलस पूरन और मिचेल मार्श की धमाकेदार अर्धशतकीय पारियों की बदौलत 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 209 रन बनाए। जवाब में दिल्ली ने 19.3 ओवर में नौ विकेट गंवाकर 211 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। आशुतोष शर्मा की अर्धशतकीय पारी की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को एक विकेट से हराकर अपने अभियान का आगाज किया। सोमवार को विशाखापत्तनम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ ने निकोलस पूरन और मिचेल मार्श की धमाकेदार अर्धशतकीय पारियों की बदौलत 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 209 रन बनाए। जवाब में दिल्ली ने 19.3 ओवर में नौ विकेट गंवाकर 211 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।210 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली की खराब शुरुआत हुई थी। जैक फ्रेजर मैकगर्क एक रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद शार्दुल ठाकुर ने अभिषेक पोरेल को अपना शिकार बनाया। वह खाता नहीं खोल सके। इसके बाद एम सिद्धार्थ ने समीर रिजवी को पंत के हाथों कैच कराया। शुरुआती ओवरों में तीन विकेट गंवा चुकी दिल्ली कैपिटल्स को एक अच्छी साझेदारी की जरूरत थी।

कौन हैं विपराज निगम जब मैदान पर आए तो दिल्ली के गिर चुके थे छह विकेट, फिर तूफानी पारी खेल पलटी बाजा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। विपराज ने असल मायने में मैच को पलटा। उन्होंने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर दिल्ली को लक्ष्य के करीब ले गए। रही सही कसर आशुतोष शर्मा ने पूरी कर दी। ऑलराउंडर विपराज का यह डेब्यू आईपीएल मैच था और उसी में वह चमक गए। आईपीएल 2025 का चौथा मैच रोमांच से भरा रहा। एक वक्त असंभव से लग रहे लक्ष्य को दिल्ली कैपिटल्स ने तीन गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। लखनऊ सुपर जाएंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 209 रन बनाए थे। जवाब में दिल्ली ने 19.3 ओवर में नौ विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत में दिल्ली के दो खिलाड़ियों ने अहम भूमिका निभाई। इनमें आशुतोष शर्मा के अलावा विपराज निगम शामिल हैं। आशुतोष ने 31 गेंद में पांच चौके और पांच छक्के की मदद से 66 रन की नाबाद पारी खेली। हालांकि, वह शुरू में 21 गेंद में 26 रन ही बना सके थे। मैच को सही मायने में पलटने का काम विपराज निगम ने किया। दिल्ली की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और टीम ने 65 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। फिर मैदान पर आशुतोष आए। उन्होंने ट्रिस्टन स्टब्स के साथ 48 रन की साझेदारी निभाई। स्टब्स के आउट होते ही लगा कि दिल्ली की उम्मीदों पर पानी फिर गया है, क्योंकि आशुतोष तब बड़ी हिट नहीं लगा पा रहे थे। विपराज स्टब्स के 13वें ओवर में आउट होने के बाद बल्लेबाजी के लिए उतरे। तब स्कोर 113 रन पर छह विकेट था। ट्रिस्टन स्टब्स 22 गेंद में 34 रन बनाकर आउट हुए थे। शुरू की दो गेंदों पर विपराज ने दो रन बनाए, लेकिन इसके बाद उन्होंने बाजी पलट दी। विपराज ने अपने आईपीएल डेब्यू पर 15 गेंद में पांच चौके और दो छक्के की मदद से 39 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 260 का रहा। उन्हें दिग्वेश राठी ने सिद्धार्थ के हाथों कैच ऑर्डर में बड़े हिट भी लगा सकते हैं। वह लोअर ऑर्डर में बड़ी हिट लगाने का दमखम रखते हैं और यह उन्होंने अपने आईपीएल डेब्यू पर करके बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। उन्होंने यूपी प्रीमियर लीग में असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया और बाद में रणजी ट्रॉफी में खेले, जहां उन्होंने

कराया। हालांकि, जब वह पवेलियन लौटे तो दिल्ली की टीम वापसी कर चुकी थी। उन्होंने मैच में एक विकेट भी लिया। विपराज ने एडेन मार्करम को आउट किया था।20 साल की उम्र में विपराज निगम ने सीनियर क्रिकेट में तेजी से प्रगति की और नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें 50 लाख रुपये में अपनी टीम में शामिल किया। राशिद खान से प्रेरित एक लेग स्पिनर विपराज निगम स्पिन की मददगार सतहों पर घातक टर्न के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने लखनऊ फाल्कन्स के साथ यूपीटी 20 लीग में खूब सुर्खियां बटोरी थीं। इस लीग में उन्होंने 12 मैचों में 11.15 के स्ट्राइक रेट और 7.45 की इकॉनमी से 20 विकेट लिए थे। उनके शानदार प्रदर्शन के कारण 2024-25 सीजन में उन्हें उत्तर प्रदेश की सीनियर टीम के लिए डेब्यू करने का मौका मिला। वह लोअर दिखाया। उनके घरेलू करियर ने तब उड़ान भरी जब उन्होंने सभी प्रारूपों में उत्तर प्रदेश के लिए डेब्यू किया। 2024-25 सीजन में उन्होंने यूपी के लिए तीन प्रथम श्रेणी मैचों, पांच लिस्ट-ए मैचों और सात टी20 मैचों में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने 103 रन बनाए और नौ विकेट लिए। यूपी की टीम में उनके साथ खेल चुके चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव ने मैच के बाद विपराज को लेकर कहा, 'विपराज अंडर-19 टीम के दिनों तक बल्लेबाज थे। फिर धीरे-धीरे उन्होंने लेग स्पिन गेंदबाजी शुरू की। उन्हें अपनी बल्लेबाजी की गहरी समझ है। मैंने उन्हें अच्छे स्ट्रोक खेलते हुए देखा है। वह हमेशा निडर रहे हैं और बड़े शॉट लगाने से नहीं हिचकिचाते। वह अपनी गेंदबाजी पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं और गेंद को अच्छी तरह से टर्न करा रहे हैं।उन्होंने कहा, 'वह प्रभावशाली गेंदबाजी भी की। मैं उनकी हिटिंग क्षमता से थोड़ा हैरान था। मैंने उन्हें पहले इतनी अच्छी बल्लेबाजी करते नहीं देखा था। मुझे विश्वास है कि वह अपने करियर में बड़ी सफलता हासिल करेंगे।'सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024-25 के दौरान भी विपराज ने शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने सिर्फ सात से ज्यादा की इकोनॉमी से आठ विकेट लिए थे। हालांकि, मुख्य रूप से एक गेंदबाज विपराज ने सैयद मुश्ताक टूर्नामेंट में अपनी हिटिंग क्षमता का भी प्रदर्शन किया था। विपराज ने आठ गेंदों में नाबाद 27 रन बनाकर और रिंकू सिंह के साथ साझेदारी कर यूपी को आंध्र के खिलाफ जीत दिलाई थी और सैयद मुश्ताक अली क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में मदद भी की थी। तब यूपी ने 157 रन के लक्ष्य का पीछा किया था। यह खिलाड़ी आगे भी टूर्नामेंट में कमाल करता दिख सकता है।

राशिफल

मेष-: स्वास्थ्य संबंधी समस्या निकट है, इसलिए नियमित व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करें और विश्वास करें कि इलाज से पहले सावधानी बरतना बेहतर है।

वृष- सप्ताह आपके लिए मंगलमय रहेगा। आपके रचनात्मक कार्यों में नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी। आप अपने मन के अनुसार निर्णय लेंगे।

मिथुन-: भावनात्मक रहेगा. आप खुद को अपनी अंतरतम भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थिति में भी पा सकते हैं। घरेलू काम थकाने वाले होंगे।

कर्क-: जीवनसाथी का प्यारा व्यवहार आपका दिन खुशनुमा बना सकता है. अपने ख़र्चों पर नियंत्रण रखें ' से ख़र्च करने से बचें। भावनात्मक रूप से जोखिम उठाना आपके पक्ष में जाएगा।

सिंह-: आप जिस काम को पूरा करना चाहते हैं वह आसानी से पूरा हो जाएगा. किसी महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ण होने पर बधाई देने के लिए लोगों का आना-जाना रहेगा।

कन्या-: आप सभी परेशानियों और चिंताओं को पीछे छोड़कर अपने परिवार के साथ कुछ समय बिताना चाहेंगे आपका जाता हुआ दिखाई देगा जिसके बारे में आपने सोचा भी नहीं होगा।

तुला-: किसी मित्र की उदासीनता आपको परेशान करेगी. लेकिन अपने आप को शांत रखें। इसे समस्या न बनने दें और इससे बचने की कोशिश करें।

वृश्चिक-: भाग्य आपका पूरा साथ देगा। जिन चीजों के लिए आप लंबे समय से प्रयास कर रहे थे, वो पूरी होने वाली हैं। जो प्रयास आपने अपनी ओर से व्यर्थ समझे थे।

धनु-: भौतिक सुख-सुविधाओं की ओर रुझान बढ़ेगा. जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद रहेंगे। आत्मबल में वृद्धि होगी। पारिवारिक समस्याओं से विचलित हो सकता है।

मकर-: खुद पर हद से ज्यादा दबाव न डालें और पर्याप्त आराम करें. रियल एस्टेट से जुड़े निवेश आपको अच्छा मुनाफा देंगे। आपका अड़ियल रवैया घर में लोगों का दिल दुखा सकता है।

कुंभ-: आपका झुकाव अध्यात्म की ओर रहेगा, मंदिर जाने या कोई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना सकते हैं. आज आपको खुशी पाने के लिए अपने स्वभाव में थोड़ा लाने की जरूरत है।

मीन-: आपको कार्यक्षेत्र में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होगी. परिवार और जीवन साथी का सहयोग मिलने की संभावना है। हालांकि छात्रों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान ने अफगान नागरिकों को निकालने के लिए पूरी की तैयारी, 31 मार्च तक छोड़ना होगा देश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अफगान नागरिकों को वापस भेजने के लिए पाकिस्तान सरकार ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है। इस बात खुलासा पाकिस्तानी सेना ने किया। सेना ने बताया कि अफगानी नागरिकों को 31 मार्च से पहले पाकिस्तान छोड़ना होगा। पाकिस्तान में बचे हुए अफगानी नागरिकों को वापस

भेजने की तैयारी लगभग-लगभग पूरी हो चुकी है। इसकी जानकारी पाकिस्तानी सेना ने शुक्रवार को दी। सेना ने बयान जारी कर कहा कि उन्होंने अफगान नागरिकों को 31 मार्च तक की समयसीमा से पहले अफगनिस्तान भेजने की पूरी तैयारी कर ली है। बता दें कि इस बात का खुलासा पाकिस्तान में शुक्रवार को हुए एक उच्च स्तरीय बैठक में हुई, जिसकी अध्यक्षता गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने की। बैठक को लेकर पाकिस्तानी अधिकारियों ने बताया कि अफगान नागरिकों को हिरासत में लेने के लिए होल्डिंग सेंटर बनाए गए हैं, जहां भोजन और स्वास्थ्य सुविधाएं दी जाएंगी। साथ ही गृह मंत्री ने कहा कि संघीय सरकार इस प्रक्रिया में प्रांतों के साथ पूरी तरह से समन्वय कर रही है। इसके अलावा, गृह राज्य मंत्री तलाल चौधरी ने प्रत्यावर्तन के दौरान किसी भी समस्या को हल करने के लिए प्रांतों का दौरा करने का निर्णय लिया है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि अफगान नागरिकों के प्रत्यावर्तन के बारे में घर-घर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है और उनकी सूची तैयार कर ली गई है। 31 मार्च के बाद, पाकिस्तान में अवैध रूप से रहने वाले अफगान नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की जाएगी। जो लोग अवैध अफगानों को किराए पर जगह देंगे, उन्हें भी परिणाम भुगतने होंगे। इसके साथ ही तलाशी अभियान चलाए जाएंगे और अवैध अफगानों के बायोमेट्रिक रिकॉर्ड भी रखे जाएंगे।

भारत के लिए खतरे की चेतावनी, आखिर कितने अलर्ट हैं हम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। वैज्ञानिक मानते हैं कि भारतीय प्लेट हर साल लगभग 5 सेमी की गति से उत्तर की ओर खिसक रही है और यूरेशियन प्लेट के नीचे धंस रही है। यह टकराव सतह के

नीचे जबरदस्त तनाव उत्पन्न कर रहा है, जिससे कभी भी विनाशकारी भूकंप आ सकता है। तिब्बत में लगातार दर्ज हो रहे छोटे-बड़े झटके इस बात के संकेत हैं कि यह क्षेत्र एक बड़े भूकंप की ओर बढ़ रहा है। यदि यह संचित ऊर्जा एक बार में मुक्त होती है, तो इसका प्रभाव किसी परमाणु विस्फोट से अधिक विनाशकारी हो सकता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह भूकंप 8.5 से 9.0 तीव्रता का हो सकता है, जो पूरे उत्तर भारत को झकझोर सकता है और हिमालयी राज्यों में भयानक तबाही मचा सकता है। थाईलैंड-म्यांमार का विनाशकारी भूचाल वहां जो तबाही मचा चुका है, वह बेहद दुखद और चिंताजनक तो है ही, लेकिन भारत के लिए और खासकर भूकंप के लिए अति संवेदनशील हिमालयी राज्यों के लिए सजग रहने की एक चेतावनी भी है, क्योंकि म्यांमार से लेकर जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख तक निरंतर भूकंप के झटके आ रहे हैं। तिब्बत में तो शायद ही कोई दिन हो जब वहां भूकंप के झटके महसूस न किए जाते हों, जबकि यूरेशियन प्लेट में स्थित तिब्बत के भूकंपों का कारण ही हिमालय और इंडियन टेक्टोनिक प्लेट है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के डैशबोर्ड पर अगर नजर डालें तो अकेले 28 मार्च को म्यांमार में रिक्टर स्केल पर 4 से लेकर 7.5 परिमाण के 9 झटके दर्ज किए गए हैं। उसी दिन म्यांमार से लगे मणिपुर के कामजौंग और चंदेल तथा मेघालय के गारो हिल्स में भी भूकंप दर्ज किए गए।

पीएम मोदी कल संघ के स्मृति मंदिर में करेंगे नवरात्र पूजा; छत्तीसगढ़ को देंगे 33 हजार करोड़ की सौगात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पीएम मोदी कल महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे नागपुर में दीक्षाभूमि पहुंचकर बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर को श्रद्धांजलि देंगे। वहीं, छत्तीसगढ़ को भी वे 33 हजार करोड़ की सौगात देंगे

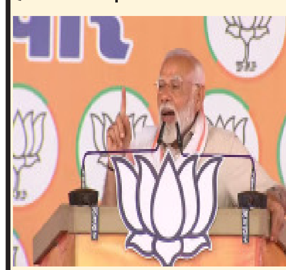

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चैत्र नवरात्रि के पहले दिन रविवार को महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह नागपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्मृति मंदिर में प्रतिपदा कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। फिर दीक्षाभूमि जाकर डॉ. बीआर आंबेडकर को श्रद्धांजलि देंगे, जहां उन्होंने 1956 में अपने हजारों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म अपनाया था। वहीं, छत्तीसगढ़ को वह 33 हजार करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात भी देंगे सरकार की तरफ से जारी कार्यक्रम के मुताबिक, प्रधानमंत्री स्मृति मंदिर और दीक्षाभूमि जाने के बाद सुबह करीब 10 बजे नागपुर में माधव नेत्रालय प्रीमियम सेंटर की आधारशिला रखेंगे। संस्थान की स्थापना गुरुजी श्री माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर की स्मृति में की गई थी, जिसका उद्देश्य लोगों को सस्ती और विश्व स्तरीय नेत्र उपचार सेवाएं प्रदान करना है। वह यहां पर एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। फिर, नागपुर में ही स्थित सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लि. में यूएवी के लिए लोइटरिंग म्यूनिशन टेस्टिंग रेंज और रनवे सुविधा का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री दोपहर में छत्तीसगढ़ पहुंचेंगे और यहां बिजली, तेल तथा गैस, रेल, सड़क, शिक्षा और आवास क्षेत्रों से संबंधित कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। वह एनटीपीसी की सीपत सुपर थर्मल पावर परियोजना चरण-3 की आधारशिला रखेंगे और छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लि. (सीएसपीजीसीएल) की 15,800 करोड़ से अधिक की लागत वाली पहली सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर परियोजना का शुभारंभ करेंगे स्वच्छ ऊर्जा समाधान वाली योजनाओं की रखेंगे नींव भारत के शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्यों, वायु प्रदूषण में कमी लाने और स्वच्छ ऊर्जा समाधान प्रदान करने के मद्देनजर प्रधानमंत्री कोरिया, सूरजपुर, बलरामपुर और सरगुजा जिलों में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लि. की सिटी गैस वितरण परियोजना की आधारशिला रखेंगे।

उत्तर भारत में मौसम का यू-टर्न, ठंडी हवाओं से राजस्थान में 7 डिग्री तक गिरा पारा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। देशभर में मौसम के मिजाज में एक बार फिर बदलाव देखा गया है। पिछले दो दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी के बीच शुक्रवार को मौसम

ने अचानक पलटी मारी और अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। उत्तर पश्चिम और मध्य भारत में अलग-अलग जगहों में तेज हवाएं चल रही हैं। शनिवार सुबह तक दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और पहाड़ी राज्यों उत्तराखंड और हिमाचल में तापमान में भारी गिरावट देखने को मिली है। राजधानी दिल्ली में शनिवार को तेज और ठंडी हवाएं चल रही हैं, जिससे गर्मी से राहत मिली है। आज मौसम साफ रहेगा और धूप खिली रहेगी, लेकिन हवाओं के चलते तेज गर्मी का अहसास नहीं होगा। दिल्ली में शनिवार को अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।मौसम विज्ञानियों का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के चलते मौसम में ये बदलाव देखने को मिल रहा है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि जब किसी राज्य से पश्चिमी विक्षोभ गुजरता है तो उससे एक दो दिनों तक तापमान में कमी आ सकती है। हिमाचल प्रदेश में भी दो दिन पहले पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हुआ है, जिससे ठंड बढ़ी है। राज्य में अधिकतम तापमान में 3.3 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान में 3.7 डिग्री सेल्सियस की कमी आई है। हालांकि बारिश के आसार नहीं हैं तेज हवाओं के चलते राजस्थान में पारा 7 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। राज्य में अधिकतम तापमान जहां 42 डिग्री को छू गया था, वहीं अब अधिकतम पारा लगभग 35 डिग्री रह गया है। मध्य प्रदेश में अगले एक दो दिनों में हल्की बारिश होने का अनुमान है। इसके चलते राज्य के भोपाल, इंदौर, नर्मदापुरम आदि जिलों में भी मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। प्रदेश के कई शहरों में साढ़े चार डिग्री तक तापमान में गिरावट आई है। सबसे ज्यादा गिरावट ग्वालियर में देखी गई। पंजाब-हरियाणा में भी तापमान में गिरावट आई है और लोगों को ठंड का अहसास हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 48 घंटों में तापमान में 3-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है। सोमवार से फिर से पारा बढ़ेगा। हरियाणा के कुछ इलाकों में अधिकतम पारा 11 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। 18 से 20 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। पश्चिमी विक्षोभ के चलते उत्तर-पश्चिम भारत में मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। कई राज्यों में अधिकतम तापमान में अच्छी खासी गिरावट आई है और सुबह और रात के वक्त तेज हवाओं के चलते लोगो को ठिठुरन का अहसास हुआ। आइए जानते हैं कि विभिन्न राज्यों में कैसा है मौसम का हालतेज हवाओं के चलते राजस्थान में पारा 7 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। राज्य में अधिकतम अधिकतम पारा लगभग 35 डिग्री रह गया है। मध्य प्रदेश में अगले एक दो दिनों में हल्की बारिश होने का अनुमान है। इसके चलते राज्य के भोपाल, इंदौर, नर्मदापुरम आदि जिलों में भी मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। प्रदेश के कई शहरों में साढ़े चार डिग्री तक तापमान में गिरावट आई है। सबसे ज्यादा गिरावट ग्वालियर में देखी गई। पंजाब-हरियाणा में भी तापमान में गिरावट आई है और लोगों को ठंड का अहसास हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 48 घंटों में तापमान में 3-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है। सोमवार से फिर से पारा बढ़ेगा। हरियाणा के कुछ इलाकों में अधिकतम पारा 11 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। 18 से 20 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं।उत्तर प्रदेश में एक बार फिर मौसम ने पलटी मारी है। शनिवार की सुबह से राज्य में ठंडी हवाएं चल रही हैं। शुक्रवार की रात को भी कई जिलों में धूल भरी हवाएं चलीं थी। इससे पहले राज्य में बीते कुछ दिनों से तेज गर्मी पड़ रही थी और तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया था। वाराणसी, सुल्तानपुर, अमेठी जैसे जिलों में भी लोग तपिश और गर्मी से बेहाल रहे। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि रविवार को भी पछुआ हवा की रफ्तार बनी रहेगी, जिससे गर्मी से राहत रहेगी। हालांकि सोमवार से फिर से पारा चढ़ेगा।

म्यांमार की मदद के लिए आगे आया भारत, शुरू किया 'ऑपरेशन ब्रह्मा', राहत सामग्री यांगून पहुंची

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। म्यांमार और थाईलैंड में शुक्रवार को आए भूकंप ने भयंकर तबाही मचाई। अकेले म्यांमार में भूकंप में एक हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। थाईलैंड में भी हालात कुछ ऐसे ही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने म्यांमार की हर संभव सहायता करने की बात कही थी। इसके तहत राहत सामग्री म्यांमार भेजी गई है। भूकंप से प्रभावित म्यांमार की मदद के लिए भारत आगे आया है। भारत ने ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत राहत सामग्री भेजी है। वायुसेना का विमान सी-130 जे करीब 15 टन राहत सामग्री लेकर यांगून पहुंच गया है। इसमें टेंट, कंबल, स्लीपिंग बैग, खाने के पैकेट, स्वच्छता किट, जनरेटर और आवश्यक दवाएं भेजी गईं हैं। म्यांमार और थाईलैंड में शुक्रवार को आए भूकंप ने भयंकर तबाही मचाई। अकेले म्यांमार में भूकंप में एक हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। सैकड़ों लोग लापता हैं। वहीं इस भूकंप में अभी तक 1500 से अधिक लोग घायल हो चुके हैं। राहत-बचाव कार्य तेजी से चल रहा है। भारत ने भी पड़ोसी देश म्यांमार की मदद का एलान किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने म्यांमार की हर संभव सहायता करने की बात कही थी। विदेश

मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर लिखा कि भारत भीषण भूकंप से प्रभावित म्यांमार के लोगों की सहायता के लिए आगे आकर कार्य कर रहा है। ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत टेंट, कंबल, स्लीपिंग बैग, भोजन के पैकेट, स्वच्छता किट, जनरेटर और आवश्यक दवाओं सहित 15 टन राहत सामग्री की हमारी पहली खेप यांगून पहुंच गई है। राहत सामग्री म्यांमार पक्ष को सौंपी जा रही है। इससे पहले एक्स पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत ने म्यांमार में आए 7.7 तीव्रता के भूकंप और पड़ोसी थाईलैंड में आए भूकंप के बाद म्यांमार के लोगों के लिए तत्काल मानवीय सहायता की पहली खेप भेजी है। इस उड़ान के साथ एक बचाव दल के साथ-साथ एक चिकित्सा दल भी है। भारत घटनाक्रम पर नजर रखना जारी रखेगा और आगे और सहायता भेजी जाएगी। वहीं म्यांमार स्थित भारतीय दूतावास ने कहा कि वह म्यांमार के अधिकारियों के साथ भारत से सहायता एवं राहत सामग्री की शीघ्र आपूर्ति के लिए समन्वय कर रहा है। भारतीय दूतावास ने एक्स पर लिखा कि विनाशकारी भूकंप के बाद हम म्यांमार के अधिकारियों के साथ भारत से सहायता और राहत सामग्री की त्वरित डिलीवरी का समन्वय कर रहे हैं। हम भारतीय समुदाय के साथ भी लगातार संपर्क में हैं। जरूरतमंद भारतीय नागरिकों के लिए हमारा आपातकालीन नंबर ₹95-95419602 है। म्यांमार और थाईलैंड में भूकंप आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिंता जताई थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा था कि म्यांमार और थाईलैंड में भूकंप के बाद की स्थिति से चिंतित हूं। सभी की सुरक्षा और कल्याण के लिए प्रार्थना करता हूं। भारत हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है। हमने अपने अधिकारियों को तैयार रहने को कहा है। साथ ही विदेश मंत्रालय से म्यांमार और थाईलैंड की सरकारों के साथ संपर्क में रहने को कहा है।

भूकंप उत्पन्न करने के लिए फॉल्ट जोन वाली चट्टानें जिम्मेदार; जानें क्या कहते हैं शोधकर्ता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। चट्टानों के गुण और दोष समान रूप से भूकंप की उत्पत्ति में योगदान देते हैं। सबडक्शन जोन के सक्रिय क्षेत्रों की पहचान करके, जहां

भूकंप की संभावना अधिक होती है, एक बेहतर भूकंप चेतावनी प्रणाली विकसित की जा सकती है। भूकंप आमतौर पर उन स्थानों पर आते हैं जहां महाद्वीपीय प्लेटों के बीच दरारें होती हैं। इन दरारों पर जब एक टेक्टोनिक प्लेट दूसरी के नीचे धंसती है तो वहां तनाव उत्पन्न होता है, जिसे फॉल्ट स्ट्रेस कहा जाता है। जब यह तनाव अपनी सीमा पार कर जाता है तो प्लेटें अचानक खिसकती हैं और आपस में टकराती हैं जिससे भूकंप उत्पन्न होता है। शोधकर्ताओं का लंबे समय से मानना था कि यह टेक्टोनिक तनाव ही भूकंप का मुख्य कारण है। हालांकि फॉल्ट ज़ोन में मौजूद चट्टानों के गुण भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चट्टानों की संरचना और उनकी व्यवस्था भूकंप की तीव्रता और प्रभाव को प्रभावित कर सकती है। मिशिगन विश्वविद्यालय द्वारा जापान के एक छोटे से क्षेत्र पर किए गए अध्ययन से यह पता चला है कि फॉल्ट जोन में चट्टानों के गुण भूकंप की उत्पत्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शोधकर्ताओं ने जापान के पूर्वी भाग, के आंकड़ों का विश्लेषण किया। यह क्षेत्र उन जगहों में से एक है जहां फिलीपीन सागर प्लेट, उत्तरी अमेरिकी प्लेट और प्रशांत प्लेट के बीच स्थित है। इस क्षेत्र में आने वाले भूकंप आमतौर पर छोटे होते हैं और 60 से 70 किलोमीटर की गहराई पर उत्पन्न होते हैं। टोक्यो में महसूस किए जाने वाले आधे से अधिक भूकंप इसी क्षेत्र से आते हैं। शोधकर्ताओं ने यह भी देखा कि फॉल्ट लाइन के साथ चट्टानों की संरचना अपेक्षाकृत पतली होती है और खनिजों की परतें अलग-अलग स्तरों पर व्यवस्थित रहती हैं। साइंस एडवांसेज पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन से पता चलता है कि चट्टानों के गुण और दोष समान रूप से भूकंप की उत्पत्ति में योगदान देते हैं। सबडक्शन जोन के सक्रिय क्षेत्रों की पहचान करके, जहां भूकंप की संभावना अधिक होती है, एक बेहतर भूकंप चेतावनी प्रणाली विकसित की जा सकती है। वैज्ञानिकों ने चट्टानों के लोचदार गुणों का भी विश्लेषण किया। उन्होंने पाया कि जब फॉल्ट जोन की चट्टानों को किसी एक दिशा में दबाया जाता है तो वे दूसरी दिशा में बहुत अधिक विकृत नहीं होतीं। इसका मतलब है कि चट्टानें एक दिशा में दूसरी दिशा की तुलना में अधिक मजबूती रखती हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि फॉल्ट जोन की आंतरिक संरचना को समझना बेहद आवश्यक है, क्योंकि इससे यह पता लगाने में मदद मिल सकती है कि भूकंप कब और कैसे आते हैं। यह अध्ययन भूकंप की उत्पत्ति और संभावित चेतावनी प्रणालियों के विकास में एक नई दिशा प्रदान कर सकता है, जिससे भविष्य में भूकंप से होने वाले नुकसान को कम किया जा सकेगा।

इमरजेंसी के थे हालात, सबकुछ बंद हो गया', बैंकॉक से भारत लौटे लोगों ने बताया कैसा था वहां का मंजर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। म्यांमार और थाईलैंड में आए विनाशकारी भूकंप में बड़ी संख्या

में लोगों की जान गई है और इस आपदा को झेलने वाले लोग अभी भी उस सदमे से नहीं उबर पाए हैं। बैंकॉक से लौटे कुछ भारतीय पर्यटकों ने भी आपबीती बताई और बताया कि भूकंप के वक्त वहां के हालात कैसे थे शुक्रवार को म्यांमार में आए 7.2 तीव्रता के भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। इस भूकंप के झटके थाईलैंड तक महूसस किए गए। इस भूकंप से म्यांमार में बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हुआ है। अकेले म्यांमार में इस भूकंप से अब तक 694 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है और सैंकड़ों लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। थाईलैंड में 10 लोगों की मौत की खबर है। इस आपदा के चलते म्यांमार में आपातकाल लागू कर दिया गया है।

जम्मू-कश्मीर सहित उत्तर पश्चिम भारत में आंधी-ओलावृष्टि महाराष्ट्र-गोवा में अगले 4 दिन बारिश के आसार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पिछले दो दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी के बीच शुक्रवार को उत्तर पश्चिम और मध्य भारत में अलग-अलग जगहों पर तूफानी और तेज हवाएं चलीं। कुछ जगहों पर ओलावृष्टि भी हुई। मौसम विभाग ने अगले दो दिन में इन इलाकों में अधिकतम तापमान में 2-5 डिग्री तक गिरावट आने की संभावना जताई है। मौसम के मिजाज में एक बार फिर बदलाव आया है। पिछले दो दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी के बीच शुक्रवार को उत्तर पश्चिम और मध्य भारत में अलग-अलग जगहों पर तूफानी और तेज हवाएं चलीं। कुछ जगहों पर ओलावृष्टि भी हुई। तेज हवा के कारण श्रीनगर हवाईअड्डे से 19 उड़ाने रद्द की गई। मौसम विभाग ने अगले दो दिन में इन इलाकों में अधिकतम तापमान में 2-5 डिग्री तक गिरावट आने की संभावना जताई है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, बिहार से पूर्वोत्तर असम तक निचले क्षोभमंडल में एक कम दबाव का क्षेत्र बना है। अरुणाचल प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में गरज के साथ हल्की बारिश भी हो सकती है। श्रीनगर समेत कश्मीर के कई हिस्सों में 40 से 60 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चली हवाओं के कारण श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से 19 उड़ानों को रद्द करना पड़ा। दो का मार्ग बदला गया है। घाटी में कई हिस्सों में खंभे और तार टूटने से बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। प्रशासन ने अगले 24 घंटों के दौरान गांदरबल और कुपवाड़ा जिलों में हिमस्खलन की आशंका जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, निचले क्षोभमंडल स्तरों पर उत्तर आंतरिक कर्नाटक से दक्षिण तमिलनाडु तक भी कम दबाव का क्षेत्र बना है। इसके प्रभाव से 29 मार्च से 1 अप्रैल के बीच मध्य महाराष्ट्र, कोंकण और गोवा में गरज के साथ हल्की बारिश हो सकती है। कुछ जगहों पर बिजली गिरने की भी संभावना है। इस दौरान 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चल सकती हैं।

अमित शाह ने राहुल गांधी पर बोला तीखा हमला, कहा- जब लोकसभा में बोलने का समय था तब वो वियतनाम में थे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा संसद के कामकाज को लेकर की गई आलोचना पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पलटवार किया है। उन्होंने राहुल गांधी पर संसद की कार्यवाही के समय विदेश दौरे पर रहने को लेकर तीखा हमला बोला है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा संसद के कामकाज को लेकर की गई आलोचना पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जब लोकसभा में उन्हें बोलने के लिए समय दिया गया था, तब नेता प्रतिपक्ष वियतनाम में थे। इसके साथ ही उन्होंने कर्नाटक में सिद्धारमैया सरकार द्वारा अनुबंधों में मुसलमानों को 4 फीसदी कोटा देने को ठलॉलीपॉपठ बताया है। संसद के कामकाज की राहुल गांधी द्वारा की गई आलोचना पर प्रतिक्रिया देते हुए अमित शाह ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को शायद यह पता नहीं कि सदन में बोलने के नियम होते हैं और इसे मनमर्जी से नहीं चलाया जा सकता है। बजट पर चर्चा

के दौरान उन्हें 42ञ् समय दिया गया था। अब यह उन पर निर्भर करता है कि वे किसे बोलने का अवसर दें। अमित शाह ने कहा कि, जब संसद में गंभीर चर्चा चल रही थी, तब वे वियतनाम में थे और जब वे लौटे, तो अपनी मनमर्जी से बोलने की जिद करने लगे। उन्होंने कहा कि संसद नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार चलती है, न कि कांग्रेस पार्टी की तरह, जिसे एक परिवार चलाता है और जहां कोई भी जब चाहे बोल सकता है। मुझे खेद है, लेकिन उन्हें नियमों और प्रक्रियाओं का पालन करना होगा। कांग्रेस द्वारा देश में आपातकाल जैसी स्थितिठ होने के आरोप पर शाह ने कहा कि विपक्षी पार्टी लगातार सरकार की आलोचना करती रहती है। अगर सच में आपातकाल होता, तो कांग्रेस के नेता जेल में होते। 'धर्म के आधार पर आरक्षण संविधान का उल्लंघन' एक निजी चैनल के कार्यक्रम में बोलते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कर्नाटक में कांग्रेस सरकार द्वारा अनुबंधों में मुसलमानों के लिए घोषित 4 फीसदी कोटे को ठलॉलीपॉपठ करार दिया। उन्होंने कहा कि धर्म के आधार पर कोई भी आरक्षण संविधान का उल्लंघन है और अदालतों द्वारा इसे रद्द कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि, हम धर्म के आधार पर किसी भी आरक्षण का कड़ा विरोध करते हैं जाति जनगणना पर शाह का जवाब जातिगत जनगणना की कांग्रेस की मांग पर गृह मंत्री ने कहा कि खुद कांग्रेस ने पहले इस तरह की कवायद का विरोध किया था। उन्होंने कहा, 2011 में उन्होंने (कांग्रेस) जातियों पर एक सर्वे किया था, लेकिन उसके परिणाम घोषित नहीं किए। अब हम आंतरिक विश्लेषण कर रहे हैं कि जातिगत जनगणना के लिए कौन-सी प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए। एक बार जब हम इसे अंतिम रूप दे देंगे, तब आगे की कार्रवाई देखी जाएगी।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सरकार पर अवैध प्रवासियों को पार्टी के वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा है कि केंद्र सरकार इस तरह के कदम को सफल नहीं होने देगी। उन्होंने कहा, वे(टीएमसी) अवैध प्रवासियों को अपना वोट बैंक मानते हैं। वे अवैध प्रवासियों को अपना वोटर बनाना चाहते हैं। लेकिन हम किसी भी पार्टी को अवैध प्रवासियों को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दे सकते। अमित शाह ने कहा कि तमिलनाडु कभी बहुत प्रगतिशील राज्य था, लेकिन डीएमके सरकार की नीतियों के कारण यह अराजकता का शिकार हो गया है। जिससे लोग परेशान हैं और वे अगले विधानसभा चुनाव में इसे उखाड़ फेंकने के लिए तैयार हैं। उन्होंने सत्तारूढ़ डीएमके को ठतमिल विरोधीठ करार देते हुए कहा कि तमिलनाडु सरकार ने अभी तक तमिल भाषा में चिकित्सा और इंजीनियरिंग की शिक्षा शुरू नहीं की है और किताबों का तमिल में अनुवाद भी नहीं किया है।

कोविन की तरह रेबीज के टीके के लिए जू-विन, पांच राज्यों में लागू करने की तैयारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत सरकार वन हेल्थ के लिए जू-विन डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च करेगी, जो रेबीज और सर्पदंश के लिए टीकाकरण केंद्रों की जानकारी

देगा। दिल्ली, मध्य प्रदेश, असम, पुडुचेरी और आंध्र प्रदेश में इसका पायलट प्रोजेक्ट शुरू होगा, जिससे 2030 तक रेबीज उन्मूलन के लक्ष्य को पूरा करने में मदद मिलेगी।टीकाकरण के लिए कोविन और यूविन के बाद अब भारत ने वन हेल्थ के लिए भी डिजिटल तकनीक लॉन्च करने का फैसला लिया है। जल्द ही केंद्र सरकार पांच राज्यों में जू-विन प्लेटफॉर्म शुरू करेगी, इसके तहत आम लोगों को घर बैठे नजदीकी रेबीज टीकाकरण केंद्र की जानकारी मिलेगी। इसके अलावा सर्पदंश के मामलों में भी विषरोधी टीके का पता चलेगा। शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्र सरकार ने पांच राज्यों के ट्रेनर को बुलाकर उन्हें ट्रेनिंग दी। यूएनडीपी से तकनीकी मदद लेकर सरकार दिल्ली, मध्य प्रदेश, असम, पुडुचेरी और आंध्र प्रदेश में जू-विन डिजिटल प्लेटफॉर्म का पायलट प्रोजेक्ट शुरू करेगी। इन मास्टर ट्रेनरों के प्रशिक्षण में केंद्र सरकार के शीर्ष अधिकारियों ने बताया कि अगले कुछ सप्ताह में वन हेल्थ के तहत देश में डिजिटल मंच जू-विन लॉन्च किया जाएगा। यह एक ऐसा डिजिटल प्लेटफॉर्म होगा, जहां रेबीज टीका और एंटी-स्नेक वेनम यानी सर्प विष रोधी टीके की आपूर्ति चेन के बारे में पूरी जानकारी होगी। रेबीज के खतरों के बारे में भारत में लोगों को कम जानकारी है, जिसकी वजह से कुत्तों का टीकाकरण कवरेज बहुत कम है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. दीपक अरोर श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि. 1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक-डा. दीपक अरोरा
मो० न० 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी०आर०बी० एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।